RNI-MPHIN/2018/75526

वर्ष-08 | अंक-285 | पृष्ठ 08 | मूल्य 02/-

दैनिक

कालप्रिया

सच वही जो दिखे...

भोपाल, गुरूवार

23

जुलाई 2026

Email.kalpriyanews72@gmail.com

आषाढ़ शुक्ल पक्ष-9-10 विक्रम संवत् 2083

कॉकरोचों पर लाठीचार्ज-सुप्रीम कोर्ट का सुनवाई से इनकार-चीफ जस्टिस बोले-

वीडियो देखने का वक्त नहीं, हमारा समय बर्बाद न करें

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने कॉकरोच जनता पार्टी समर्थकों पर हुए लाठीचार्ज के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया है। बुधवार को एक वकील ने सीजेआईकी अगुआई वाली 3 जजों की बेंच के सामने जनहित याचिका लगाई थी। सूर्यकांत ने कहा, हमें वीडियो देखने में कोई रुचि नहीं है। हमारे पास उन्हें देखने का समय नहीं है। जब वकील ने छात्रों के साथ मारपीट के वीडियो देखने का दूसरी बार अनुरोध किया तो सीजेआई ने कहा, 'हमारा और अपना समय बर्बाद मत कीजिए।' बता दें कि 15 मई को एक मामले की सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा था, कुछ बेरोजगार युवा कॉकरोच जैसे होते हैं, जो बाद में मीडिया, सोशल मीडिया या आरटीआई एक्टिविस्ट बनकर सिस्टम पर हमला करने लगते हैं। इस टिप्पणी के बाद ही अभिजीत दीपके ने इंस्टाग्राम पर कॉकरोच जनता पार्टी नाम से अकाउंट बनाया था।

दिल्ली हाईकोर्ट का भी तत्काल सुनवाई से इनकार

मंगलवार को ऐसा ही एक मामला दिल्ली हाईकोर्ट में भी पहुंचा था। तब दिल्ली हाईकोर्ट ने भी इसी तरह की याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया था। कहा था कि कोर्ट को इसमें न घसीटें। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने निर्दोष छात्रों पर हुए लाठीचार्ज की निंदा की है। एसोसिएशन ने कहा है कि इस कार्रवाई में कई छात्र गंभीर रूप से घायल हुए।

वांगचुक अनशन तोड़ने को तैयार

गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती सोनम वांगचुक ने बुधवार को केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और जितेंद्र सिंह को चिट्ठी लिखी। उन्होंने कहा कि बच्चों के खिलाफ कोई एक्शन न हो।

पुलिसवालों ने मेरे कान में कहा सरकार को हटाइए

राहुल गांधी ने दिल्ली के इंदिरा भवन में छात्रों के खिलाफ लाठीचार्ज पर प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने सबसे पहले अपने प्रेजेंटेशन में 20 जुलाई को कॉकरोच जनता पार्टी के संसद चलो मार्च में शामिल छात्रों के वीडियो चलाए। इस दौरान राहुल गांधी ने कहा कि सुरक्षाबलों ने छात्रों को बुरी तरह पीटा। ऐसा क्यों किया गया।

संसद में पीएम मोदी से मिले शरद पवार और सुप्रिया सुले

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दौरान बुधवार को एनसीपी (एससी) के प्रमुख शरद पवार और बारामती से सांसद सुप्रिया सुले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद परिसर में मुलाकात की। इस मुलाकात को मौजूदा राजनीतिक हालात और छात्रों के मुद्दों के संदर्भ में अहम माना जा रहा है। इससे पहले शरद पवार और सुप्रिया सुले मंगलवार को जंतर-मंतर पर चल रहे विरोध प्रदर्शन में भी शामिल हुए थे।

केंद्र से शरद पवार की अपील

शरद पवार ने केंद्र सरकार से अपील की कि वह छात्रों और नागरिकों की मांगों को संवेदनशीलता के साथ सुने। उन्होंने कहा कि संविधान हर नागरिक को अधिकार देता है और सरकार जनता के प्रति जवाबदेह है। इसलिए शांतिपूर्ण तरीके से विरोध कर रहे लोगों की आवाज को दबाने के बजाय उनकी मांगों पर

काली पट्टी बांध विधानसभा पहुंचे कांग्रेस विधायक

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के तीसरे दिन कांग्रेस ने आक्रामक तेवर दिखाए। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार समेत कांग्रेस विधायक दिल्ली में राहुल गांधी और छात्रों के साथ हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में काली पट्टी बांधकर विधानसभा पहुंचे। कांग्रेस ने इसे लोकतंत्र और युवाओं की आवाज दबाने की कोशिश बताते हुए सरकार पर निशाना साधा। इस दौरान विधायकों ने धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो कि तख्तियां लेकर जम कर नारेबाजी की।

सिंघार बोले- नीट पेपर लीक पर चर्चा से भाग रही सरकार

छात्रों के मुद्दे पर सरकार को घेरा

उमंग सिंघार ने कहा कि दिल्ली में अपने भविष्य की लड़ाई लड़ रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया। कांग्रेस ने सदन में इस मुद्दे पर चर्चा की मांग की, लेकिन भाजपा सरकार जवाब देने से बचती रही। नेता प्रतिपक्ष ने सरकार के बजट और अनुपूरक बजट पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि हर साल बड़े-बड़े बजट पेश किए जाते हैं, लेकिन आम जनता को उससे कोई राहत या फायदा नहीं मिलता। सिंघार ने कहा कि जब राहुल गांधी के धरने के बाद केंद्र सरकार लोकसभा में नीट मुद्दे पर चर्चा के लिए तैयार हो गई, तो मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा से क्यों भाग रही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव से विधानसभा में मिले आगर-मालवा और जबलपुर के मेधावी विद्यार्थी

राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाना जागरूक नागरिक की पहचान : सी.एम.

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारे विद्यार्थी देश के उज्ज्वल भविष्य के निर्माता हैं। लोकतंत्र को समझना, उसके मूल्यों को आत्मसात करना और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाना ही जागरूक नागरिक की पहचान है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को लोकतांत्रिक संस्थाओं से जोड़ना समय की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के विकास में युवाओं की सहभागिता बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मध्यप्रदेश विधानसभा स्थित समिति कक्ष क्रमांक-1 में स्कूली बच्चों से संवाद कर रहे थे।

मुख्यमंत्री से विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही देखने आए आगर-मालवा जिले के विभिन्न अंचलों के 50 से अधिक मेधावी विद्यार्थियों तथा स्टेम फील्ड इंटरनेशनल स्कूल, जबलपुर के 40 विद्यार्थियों ने सौजन्य भेंट कीं।

चंद्रशेखर आजाद नगर में आयोजित बलराम कृषि महोत्सव में मुख्यमंत्री होंगे शामिल

भोपाल। मध्यप्रदेश शासन द्वारा वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाए जाने के उपलक्ष्य में प्रदेश के सभी जिलों में बलराम कृषि महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में आलीराजपुर जिले के चंद्रशेखर आजाद नगर में उनकी 120वीं जन्म जयंती के अवसर पर कृषि उपज मंडी में 23 जुलाई 2026 को बलराम कृषि महोत्सव, अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद जन्मजयंती समारोह आयोजन किया जाएगा। इसके बाद वे मुख्य कार्यक्रम स्थल कृषि मंडी पहुंच कर बलराम कृषि महोत्सव में जिले के प्रगतिशील किसानों से संवाद कर कृषि क्षेत्र में नवाचार,आधुनिक तकनीकों तथा कृषि विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा करेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री संभाग के अलग-अलग जिलों से आए विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित इंफ्लूएंसर्स से भी संवाद करेंगे।

एमपी के 35 से ज्यादा जिलों में बारिश

नर्मदापुरम में 4.2 इंच पानी गिरा; अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से आ रही नमी से मानसून स्ट्रॉन्ग

भोपाल। मध्य प्रदेश में मानसून पूरी तरह सक्रिय है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में झमाझम बारिश का दौर जारी है। 24 घंटे में 35 से ज्यादा जिलों में बारिश दर्ज की गई। सबसे ज्यादा 4.2 इंच बारिश नर्मदापुरम में हुई। मौसम विभाग ने 24 से 48 घंटे तक कई जिलों में भारी से अति भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

इन जिलों में सबसे ज्यादा बारिश

24 घंटे में नर्मदापुरम में 4.2 इंच बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा नरसिंहपुर में 2.5 इंच, राजगढ़ में 2.4 इंच, सीहोर और मलाजखंड में 2.2 इंच, भोपाल में 2.1 इंच, पचमढ़ी और मंडला में 1.8 इंच, श्योपुर में 1.5 इंच, सिवनी में 1.3 इंच और खरगोन में 1.1 इंच पानी बरसा। उमरिया, छिंदवाड़ा, शिवपुरी, टीकमगढ़, खंडवा, छतरपुर, सतना, बैतूल, दमोह, जबलपुर, इंदौर, रतलाम, बड़वानी और बुरहानपुर समेत कई जिलों में भी बारिश और तेज हवाओं का असर देखने को मिला।

सबसे अधिक बारिश वाले 10 जिले

जिला	वर्षा (मिमी)
देवास	460.3
बालाघाट	408.9
सिवनी	395.4
हरदा	383.7
दमोह	377.6
डिंडौरी	375.1
सीहोर	374.6
भोपाल	363.2
इंदौर	356.6
अनूपपुर	339.4

सबसे कम बारिश वाले 10 जिले

जिला	वर्षा (मिमी)
अलीराजपुर	64.8
रीवा	138.9
मुरैना	143.3
दतिया	155.2
झाबुआ	166.4
धार	181.0
शिवपुरी	182.8
श्योपुर	188.6
सिंगरौली	210.1
मऊगंज	216.6

बच्चों से भरी स्कूल बस निकाली

सीहोर जिले के चरनाल क्षेत्र से लापरवाही का एक वीडियो सामने आया है। यहां तेज बारिश के कारण नाला उफान पर था और पुल के ऊपर पानी बह रहा था।

ईरान पर करारी चोट, अमेरिका ने एयरक्राफ्ट हैंगर और ड्रोन स्टोरेज साइट उड़ाया

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान और अमेरिका के बीच जारी जंग लगातार तेज होती जा रही है। अमेरिकी सेना ने लगातार 11वीं रात ईरान पर बड़े हवाई हमले किए। इस ऑपरेशन में ईरान के एयरक्राफ्ट हैंगर, ड्रोन स्टोरेज साइट, सैन्य ऑपरेशन सेंटर, समुद्री क्षमताओं और लॉजिस्टिक्स इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बनाया गया। अमेरिका का दावा है कि इन हमलों का मकसद ईरान की सैन्य क्षमता को कमजोर करना और होर्मुज स्ट्रेट में जहाजों के लिए खतरे को कम करना है। अमेरिका ने कहा कि पिछले तीन महीनों में ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले 30 से ज्यादा कारोबारी जहाजों पर हमला किया है। इन हमलों से सैकड़ों नाविकों की जान खतरे में पड़ी और अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार प्रभावित हुआ। हालांकि, अमेरिका का कहना है कि तमाम हमलों के बावजूद होर्मुज स्ट्रेट अभी भी व्यावसायिक जहाजों के लिए खुला हुआ है। वहीं अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने साफ कर दिया कि फिलहाल ईरान के साथ बातचीत में उनकी कोई दिलचस्पी नहीं है। उन्होंने संकेत दिए कि अमेरिकी सेना जल्द ही ईरान के उस

इलाके को भी निशाना बना सकती है, जो उसके प्रमुख यूरेनियम संवर्धन केंद्रों के करीब है।

ईरान गल्फ में यूएस बेस को बना रहा निशाना

दूसरी तरफ ईरान ने भी जवाबी कार्रवाई की है। मंगलवार को उसने होर्मुज स्ट्रेट में एक तेल टैंकर पर हमला किया था। इसके अलावा बहरीन और कुवैत में भी मिसाइल हमलों की चेतावनी के लिए सायरन बजे हैं। जंग का असर अब वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी दिखाई देने लगा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 91 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है, जबकि अमेरिका में पेट्रोल की औसत कीमत करीब 4 डॉलर प्रति गैलन हो गई है। इस बीच एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, ईरान के साथ जारी इस संघर्ष में घायल अमेरिकी सैनिकों की संख्या 500 के पार पहुंच चुकी है।

ईरान के दुश्मन देश से ट्रंप की न्यूक्लियर डील

अमेरिका और ईरान के बीच जिस मुद्दे को लेकर लंबे समय से तनाव और जंग हो रही है, उसी परमाणु संवर्धन (यूरेनियम एनरिचमेंट) को लेकर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बड़ा फैसला लिया है। ट्रंप प्रशासन ने सऊदी अरब के साथ ऐसे परमाणु समझौते को मंजूरी दे दी है, जिसके तहत सऊदी अपनी जमीन पर नागरिक परमाणु कार्यक्रम के लिए यूरेनियम संवर्धन कर सकेगा। सूत्रों के मुताबिक, इस समझौते की औपचारिक घोषणा जल्द की जा सकती है। यह डील 30 साल के लिए होगी और इसमें अमेरिकी कंपनियां भी सऊदी के परमाणु कार्यक्रम के विकास में शामिल रहेंगी।

डेटा सिटी आंध्र प्रदेश के तर्लुवाडा गांव में बन रहा है गूगल का एआई डेटा सेंटर, यहां वेलकम गूगल के होर्डिंग लगे

2500 की आबादी वाले भारतीय गांव में देश की एआई किस्मत

नई दिल्ली (एजेंसी)

तर्लुवाडा की आबादी 2500 के लगभग है। भारत का यह छोटा सा गांव आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम शहर के किनारे बसा है। रिपोर्टों के अनुसार, गांव में लगे बड़े से होर्डिंग में लिखा गया है- वेलकम गूगल।

इन वाक्यों के साथ स्थानीय नेताओं की फोटो होर्डिंग में लगी है। यही विशाखापट्टनम का वो इलाका है जहां देश की एआई किस्मत लिखने की तैयारी हो रही है। हालांकि स्थानीय लोगों की कुछ चिंताएं भी हैं। उन्हीं चिंताओं के साथ-साथ यहां बुलडोजर से जमीन को समतल करने का काम शुरू हो गया है, ताकि डेटा सेंटर बनाने का काम रफ्तार पकड़ पाए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, विशाखापट्टनम को देश की एआई राजधानी के रूप में डेवलप करने की तैयारी है। यहां बड़े-बड़े डेटा सेंटर लगाने के लिए दिग्गज कंपनियां अपनी दिलचस्पी दिखा रही हैं। जिस 1 गीगावॉट डेटा सेंटर को बनाने के लिए जमीन को समतल किया जा रहा है, वह गूगल की 1.25 लाख करोड़ रुपये की परियोजना का हिस्सा है। रिपोर्ट के अनुसार, आंध्र प्रदेश की सरकार राज्य में डेटा सेंटरों के विकास से बहुत उम्मीदें रखे हुए हैं। मंत्रियों और अधिकारियों को उम्मीद है कि इससे विकास को बढ़ावा मिलेगा। राज्य के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री नारा लोकेश का कहना है कि डेटा सेंटरों के अलावा- पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, एयर कंडीशनिंग, कंस्ट्रक्शन मटीरियल से जुड़े लोग यहां अपना काम शुरू करने के लिए आ रहे हैं।

विशाखापट्टनम को ही क्यों चुना गया

विशाखापट्टनम की भौगोलिक स्थिति इसे एआई डेटा सिटी बनाने के लिए एकदम सही है। विशाखापट्टनम पोर्ट सिटी है, जो समुद्र के किनारे बसी है। यहां से भारत को सीधे साउथ-ईस्ट एशिया से जोड़ने वाली समुद्री इंटरनेट केबल की कनेक्टिविटी मिलती है। विशाखापट्टनम को सिंगापुर से जुड़ने वाली सबमरीन केबल के लैंडिंग पॉइंट के रूप में भी डेवलप किया जा रहा है। इससे एआई कंपनियों को डेटा स्पीड की चिंता नहीं करनी होगी और वो हाईस्पीड कनेक्टिविटी के साथ अपने काम कर पाएंगी। योजना के तहत शहर के 100 किलोमीटर के दायरे में एक मजबूत इंटीग्रेटेड डेटा इकोसिस्टम तैयार किया जाना है।

एआई के क्षेत्र में भारत की पोजिशन

रिपोर्ट के अनुसार, एआई की ग्लोबल रेस में भारत बुनियादी कमजोरियों के कारण पीछे छूट गया है। निवेश के मामले में ताइवान और दक्षिण कोरिया जैसे देश आगे हैं, जो एआई चिप और एडवांस्ड टेक्नोलॉजी बनाते हैं। वहीं, भारत की पहचान नई खोज करने वाले देश के तौर पर नहीं, बल्कि विदेशी तकनीक को उपयोग करने वाले देश की है। हालांकि जिस तरह से देश में एआई डेटा सेंटर का विकास, नई तकनीकों पर काम हो रहा है, उससे एक नई पहचान बनने की दिशा में राह निकलती हुई दिख रही है।

राम मंदिर ट्रस्ट का बड़ा फैसला

दान गिनने की पूरी व्यवस्था बदली... सभी 36 पुराने स्टाफ निकाले गए

लखनऊ, एजेंसी

अयोध्या स्थित श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में चढ़ावा चोरी प्रकरण सामने आने के बाद श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंदिर की सुरक्षा और प्रशासनिक व्यवस्थाओं में बड़े बदलाव शुरू कर दिए हैं। इसी क्रम में ट्रस्ट ने मंदिर में कार्यरत सभी 349 कर्मचारियों की स्क्रीनिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इस दौरान कर्मचारियों के कार्य, जिम्मेदारियों और पृष्ठभूमि की भी समीक्षा की जाएगी, ताकि भविष्य में किसी भी तरह की अनियमितता की संभावना को खत्म किया जा सके। सबसे बड़ा बदलाव चढ़ावे की गणना व्यवस्था में किया गया है। ट्रस्ट और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने मिलकर नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत चढ़ावे की गिनती से जुड़े पुराने सभी 36 कर्मियों की भूमिका पूरी तरह समाप्त कर दी गई है। अब मंदिर में आने वाले नकद चढ़ावे की गणना का पूरा दायित्व एसबीआई द्वारा तैनात नए और अधिकृत स्टाफ को सौंपा जाएगा।

आज होगी बड़ी बैठक

इधर श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की आज महत्वपूर्ण बैठक भी है। इस बैठक में संगठनात्मक ढांचे और मंदिर की प्रशासनिक व्यवस्था से जुड़े कई बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। बैठक में ट्रस्ट के नए महासचिव के चयन के साथ ही लंबे समय से रिक्त पड़े दो अन्य महत्वपूर्ण पदों को भरने पर भी निर्णय होने की संभावना है।

बादलों की कंजूसी: गत वर्ष से 248 मिलीमीटर पिछड़ी जिले में औसत बारिश

नगर संवाददाता ■ सतना

जिले में मानसूनी बारिश शुरू हुए एक माह पूरे होने वाले हैं लेकिन इस दौरान बादलों की बेरुखी से जिले में बारिश का आंकड़ा विगत वर्ष से काफी पिछड़ा हुआ नजर आ रहा है। जिले में इस वर्ष 1 जून से 21 जुलाई तक 317.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 565.7 मि.मी.दर्ज की जा चुकी थी।जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है।

कहां कितनी बारिश दर्ज

अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 416.5 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 284.3 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 352.2 मि.मी, बिरसिंहपुर में 446 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 362.8 मि.मी., नागौद में 319.3 मि.मी., जसो (नागौद) में 126.7 मि.मी. एवं उचेहरा में 229.5 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है।

आंकडों पर एक नजर

क्षेत्र	गत वष	इस वर्ष
सतना	711.7	416.5
सोहावल	478.2	284.3
बरौंधा	648.8	352.2
बिरसिंहपुर	476.1	446.0
रामपुर बाघे.	515.5	362.8
नागौद	704.0	319.3
जसो	252.5	126.7
उचेहरा	738.5	229.5

(नोटः बारिश मिलीमीटर में है)

मैहर जिले में 360 मिमी कम हुई बारिश

मैहर जिले में इस वर्ष 1 जून से 21 जुलाई तक 240.2 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इस अवधि में 600.5 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई थी। अधीक्षक भू-अभिलेख मैहर से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की अमरपाटन तहसील में 170 मि.मी., मैहर में 165.1 मि.मी. एवं रामनगर में 385.5 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 919.7 मि.मी. है।

बिरसिंहपुर में अधिक तो जसो में सबसे कम वर्षा दर्ज

जिले में लगाए गए वर्षामापी यंत्रों के आधार पर जिला भू अभिलेख विभाग द्वारा जो आंकड़े जारी किए गए है उसे देखने पर नजर आता है कि इस साल बिरसिंहपुर में अब तक सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई है जबकि जसो में सबसे कम बारिश रिकार्ड की गई। मिली जानकारी के अनुसार बिरसिंहपुर में गत वर्ष 476.1 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई थी वहीं इस वर्ष अब तक यहां पर 446.1 मिलीमीटर बारिश हो चुकी है। जबकि जसो में गत वर्ष 252 मिली मीटर बारिश दर्ज की गई थी जबकि अब तक यहां पर महज 126 मिलीमीटर ही बारिश हो सकी।

संक्षिप्त समाचार

17 विभागीय अधिकारियों का कटा एक दिन का वेतन

सतना। मैहर जिले में सी एम हेल्प लाइन में खराब प्रदर्शन पाए जाने पर 17 अधिकारियों का एक दिन का वेतन काटकर कलेक्टर मैहर बिदिशा मुखर्जी ने अधिकारियों को शख्त संदेश दिया है।इन अधिकारियों का खराब प्रदर्शन होने से पूरे जिले की ग्रेडिंग पर विपरीत असर हुआ है।और मैहर जिला बी श्रेणी से शामिल होकर रीवा संभाग में निचले स्थान पर पहुंच गया है।

जमुना देवी साबनानी का निधन

सतना। नगर के समाजसेवी एवं म्यूजिक हाउस, डाली कास्मेटिक के संचालक जितेन्द्र साबनानी की माता जी जमुना देवी का मंगलवार की सुबह निधन हो गया। अंतिम संस्कार श्री नारायण मुक्ति धाम में हुआ। पूज्य माता जमुना देवी के निधन पर जनरल मर्चेंट एसोसिएशन, विंध्य चेम्बर आफ कामर्स, हिन्दू पर्व समन्वय समिति, स्वर संगम मध्यप्रदेश गहरा शोक प्रकट करती है एवं ईश्वर से प्रार्थना करती है। माता जी की पावन आत्मा को अपने निज धाम में स्थान दे एवं परिवार जनों को यह असीम दु:ख सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

[जनसुनवाई] विभिन्न मांगों व समस्याओं को लेकर सुनाई फरियाद

कलेक्टर ने रामपुर में तो एडीएम व एसडीएम ने सतना में सुनी लोगों की समस्याएं

Āê÷ (नगर संवाददाता)

मंगलवार को रामपुर बघेलान के तहसील कार्यालय में कलेक्टर सतना डॉ. सतीश कुमार एस द्वारा अनुभाग स्तरीय जनसुनवाई की गई। जनसुनवाई में क्षेत्र के 83 आवेदक अपनी विभिन्न समस्याओं और मांगों को लेकर पहुंचे। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदक की समस्या को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान राजस्व विभागं से संबंधित अधिकांश प्रकरण आए। कलेक्टर ने समस्याओं के निराकरण के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्राप्त शिकायतों का समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को अनावश्यक परेशानियों का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर एसडीएम रामपुर बघेलान सुभाष मिश्रा, तहसीलदार रामपुर रमेश कोल, कोटर आशुतोष मिश्रा, जनपद सीईओ सहित उप खण्ड स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

कलेक्ट्रेट में 177 आवेदकों की आई समस्यायें

कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस के निर्देशन में मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में अपर कलेक्टर विकास सिंह ने सतना जिले के विभिन्न अंचलों से पहुंचे 177 आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से आए आवेदकों ने भूमि विवाद, राजस्व रिकॉर्ड सुधार, सिंचाई, बिजली, पानी, सड़क निर्माण, पेंशन, छात्रवृत्ति, आवास योजना तथा अन्य लोक कल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत की। कलेक्टर ने प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लिया और संबंधित अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर संदीप परस्ते द्वारा भी आवेदकों की समस्याएं सुनी गई।

ननि में महापौर व निगम अध्यक्ष ने सुनी फरियाद

नगर निगम में महापौर योगेश ताम्रकार, नगर निगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी पालन और निगम अधिकारियों कार्यपालन यंत्री केपी गुप्ता व स्वास्थ्य अधिकारी अरविन्द्र प्रताप सिंह ने विभिन्न समस्यायें लेकर पहुंचे आवेदकों की फरियाद सुनी और संबंधित शाखाओं के अधिकारियों को निराकरण के निर्देश दिये। नगर निगम से मिली जानकारी के मुताबिक यहां कुल 38 आवेदक अपनी-अपनी समस्यायें लेकर पहुंचे हैं। इनमें योजना शाखा से संबंधित 14, पीएम आवास से संबंधित 9, निर्माण शाखा के लिये 6, अतिक्रमण के लिये 4, स्वास्थ्य शाखा से संबंधित 3 तथा पेयजल और विद्युत शाखा से संबंधित 1-1 आवेदक समस्यायें लेकर पहुंचे।

चेकिंग अभियानः सर्विस लाइन में मिला बायपास, निकाली गई रिकवरी

Āê÷ (नगर संवाददाता)

विद्युत वितरण कंपनी शहर संभाग द्वारा शहर संभाग के कार्यपालन अभियंता मृगेंद्र सिंह चंदेल के निर्देशानुसार शहर संभाग के सभी एरिया मे सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सहयक अभियंता अवनीश पाण्डेय, कनिष्ठ अभियंता अजय दुबे, कनिष्ठ अभियंता अटल कुमार ने कर्मचारियों के साथ टिकुरिया टोला क्षेत्र के आदर्श नगर में चेकिंग अभियान के अंतर्गत औचक निरीक्षण कर मीटरों की जांच की। इस दौरान कई उपभोक्ताओं के यहां अनियमितता पाए जाने पर विद्युत अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया।

मिली जानकारी के अनुसार यहां पर एक घर में सर्विस लाइन को काटकर डायरेक्ट बिजली का उपयोग करने पर संबंधित उपभोक्ता पर रिकवरी निकाली गई है। वहीं संग्राम कॉलोनी में भी चेकिंग के दौरान विद्युत अधिनियम के तहत कई प्रकरण बनाये गए जिसमें लाखों रुपए की रिकवरी निकाली गयी।

भारत विकास परिषद ने किया पौधरोपण

Āê÷ (नगर संवाददाता)

बहुउद्देशीय राष्ट्रीय संस्था भारत विकास परिषद द्वारा सोमवार शाम 5 बजे से 'वृक्ष हमारे परिजन' मुहिम के तहत द्वितीय चरण का पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिषद के सभी सदस्य मार्गदर्शक जितेंद्र जैन के निवास टिकुरिया टोला में एकत्रित होकर पौधा रोपण की शुरुआत की। भारत विकास परिषद के पुरुषोत्तम अग्रवाल ने बताया कि वृक्षारोपण क्रियान्वयन के अंतर्गत जिस व्यक्ति के घर के बाहर पौधारोपण किया जाता है उस व्यक्ति को 'वृक्ष पालक' का दायित्व प्रदान किया जाता है। इस सत्र के प्रथम चरण में पिछले सप्ताह सतना नदी के पास स्थित दयोदय गौशाला में कैलाश केसरवानी एवं प्रदीप जैन के संयोजन में परिषद द्वारा सघन वृक्षारोपण किया गया था। इस दौरान विंध्य चैंबर आफ कॉमर्स सतना की नवनिर्वाचित टीम को परिषद द्वारा दुपट्टा एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

द्वितीय चरण के वृक्षारोपण कार्यक्रम में संरक्षक डॉ संजय माहेश्वरी, डॉ राजेश जैन, संयोजक द्वय कैलाश केसरवानी, प्रदीप जैन, अध्यक्ष अजय तेजवानी, सचिव राजेश अग्रवाल टीटू, शिवम भारतीय, विनोद पंडित, मनीष अग्रवाल, रिंकू राकेश अग्रवाल, इंजी बलराम गुप्ता, विनीत पटेल, आशीष जैन, रजनी जैन , निशा शर्मा, डॉ. प्रतिभा दुबे, पूनम जैन, श्रीमती प्रीति अग्रवाल, महेंद्र जैन, शैल जैन, मनमोहन माहेश्वरी, आशीष तिवारी ,पंकज तिवारी, आर्यन शर्मा उपस्थित हुए।

निधि ने की जिलाध्यक्ष से सौजन्य मुलाकात

Āê÷ (नगर संवाददाता)

भाजपा के वरिष्ठ नेता निधि गोपाल गुप्ता ने शासन द्वारा एल्डरमैन बनाए जाने पर भाजपा जिला अध्यक्ष पंडित भगवती प्रसाद पांडे से सौजन्य मुलाकात करने उनके निज निवास पहुंचे और मुंह मीठा करवाकर अपनी नियुक्ति पर आभार प्रकट किया।

दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में गूंजे 'जय श्रीराम' के जयकारे

■ नेकी फाउंडेशन की महाआरती में उमड़ा आस्था का सैलाब

Āê÷ (नगर संवाददाता)

पुरानी कचहरी परिसर स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में नेकी फाउंडेशन द्वारा प्रतिमाह की तरह इस माह भी जनकल्याण एवं विश्व शांति की मंगलकामना के साथ भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण के बीच आयोजित इस महाआरती में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान हनुमान के चरणों में सुख-समृद्धि एवं जनकल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं पेट्रोलियम एसोसिएशन से जुड़े माकीन तथा वरिष्ठ समाजसेवी रितेश त्रिपाठी द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इसके पश्चात वैदिक मंत्रोच्चार और भक्ति संगीत के बीच महाआरती संपन्न हुई। महाआरती में नेकी फाउंडेशन के राजेंद्र सिंह कपूर (संस्थापक), बृजेश शुक्ला (सेवानिवृत्त पोस्टमास्टर), ज्योतिषी, राहुल मल्होत्रा, सनू अवस्थी, पार्षद मोहित सिंह कपूर सहित श्रीमती निधि कपूर, श्रीमती गुरुशा सिंह कपूर, श्रीमती सरला, श्रीमती नीतू, श्रीमती शालिनी सिंह, डॉ. रिंकल मल्होत्रा, पुष्पेंद्र गैस सर्विस एवं नगर के अनेक गणमान्य नागरिक और श्रद्धालु उपस्थित रहे।

महाआरती के दौरान पंडित ओमकार प्यासी ने मधुर भजन, मंत्रोच्चार एवं भावपूर्ण आराधना से ऐसा आध्यात्मिक वातावरण निर्मित किया कि श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर हो गए। संस्था के संस्थापक राजेंद्र सिंह कपूर ने भगवान के चरणों में देश, समाज एवं समस्त मानवता के कल्याण की प्रार्थना की। कार्यक्रम के अंत में बृजेश शुक्ला ने सभी श्रद्धालुओं का तिलक लगाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया। नेकी फाउंडेशन द्वारा प्रतिमाह आयोजित होने वाली इस महाआरती में लगातार बढ़ती श्रद्धालुओं की संख्या संस्था की सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों के प्रति लोगों की आस्था और विश्वास को दर्शाती है।

लायंस लंगर में खिचड़ी प्रसाद का वितरण

सतना। लायंस क्लब सतना हेल्पिंग हैंड्स सतना द्वारा प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को अनवरत जारी लायंस लंगर सेवा के तहत आज मंगलवार को राजेश श्रीवास्तव के तीर्थ यात्रा से वापस आने पर श्रीवास्तव परिवार की ओर से श्री हनुमान जी मंदिर सी एम एच ओ आफिस के सामने धवारी सतना में खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। कार्यक्रम में पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन आलोक त्रिपाठी ज़ोन चेयरपर्सन लायन धर्मेंद्र सेन, लायन कृष्ण कुमार द्विवेदी, लायन कैलाश कुमार, संजय उरमलिया, नर्मदा त्रिपाठी, उमेश शर्मा, विनोद कुमार गर्ग, अशोक त्रिपाठी,कमल कांत पाण्डेय, मिथलेश पाण्डेय, सुकीर्त त्रिपाठी, सूर्य कमल त्रिपाठी, विनय कमल त्रिपाठी मंदिर के पुजारी पं. जगन्नाथ महराज एवं साथी उपस्थित रहे।

सीवर लाइन खुदाई के बाद नहीं बनी सड़क, जानलेवा गड्ढे से हादसों का खतरा

Āê÷ (नगर संवाददाता)

शहर के हनुमान चौक स्थित वार्ड क्रमांक 41 में सुलभ कॉम्प्लेक्स के सामने सीवर लाइन की खुदाई के बाद सड़क का पुनर्निर्माण नहीं किए जाने से बड़ा गड्ढा बन गया है।

बरसात के कारण गड्ढा पानी से भर गया है, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है।

समस्या निदान की क्षेत्रवासियों एवं समाजसेवी पंकज जैन ने नगर निगम प्रशासन से तत्काल गड्ढे की मरम्मत कर सड़क को सुरक्षित बनाने की मांग की है।

स्थानीय लोगों के अनुसार अब तक कई दोपहिया एवं अन्य वाहन इस गड्ढे में गिर चुके हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि इस संबंध में पार्षद प्रवीण जैन एवं महापौर योगेश ताम्रकार को भी सूचना दी जा चुकी है, लेकिन अभी तक गड्ढे की मरम्मत नहीं कराई गई है।

बारिश के चलते गड्ढा पूरी तरह पानी से भर जाने के कारण इसकी गहराई का अंदाजा लगाना मुश्किल हो गया है।

स्थानीय नागरिकों ने आशंका जताई है कि यदि शीघ्र ही सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो कभी भी बड़ा हादसा या जनहानि हो सकती है।

पेंशनर्स को भी नियमित कर्मचारियों की तरह मिलेगा समय से बढ़ा हुआ महंगाई भत्ता

सतना। मध्य प्रदेश विद्युत मंडल पेंशनर एसोसिएशन सतना के संरक्षक एमजी सक्सेना एवं सचिव बीपी पटेल ने जारी संयुक्त विज्ञप्ति में बताया कि हाल ही में मध्य प्रदेश सरकार के वित्त विभाग द्वारा जारी आदेश क्रमांक 1077487 दिनांक 17 जुलाई 2026 के आदेश के तहत मध्य प्रदेश सरकार द्वारा अपने पेंशनर्स कर्मचारियों को महंगाई राहत देने में छत्तीसगढ़ की अनुमति को समाप्त कर दिया गया है इससे पेंशनर्स को नियमित कर्मचारियों की तरह समय पर महंगाई राहत के आदेश प्रसारित होंगे उल्लेखनीय की अभी तक पेंशनर्स कर्मचारियों के महंगाई राहत बढ़ाने के लिए मध्य प्रदेश सरकार को छत्तीसगढ़ सरकार से अनुमति की जरूरत पड़ती थी जिस कारण कई महीने लगने के कारण पेंशनर्स कर्मचारियों को समय से महंगाई राहत नहीं मिलती थी।

[मुलाकात] शहर की दुर्दशा के कारण जनमानस को हो रही असुविधाओं से कराया अवगत

संभागायुक्त से मिला विंध्य चेंबर का प्रतिनिधि मंडल

Āê÷ (नगर संवाददाता)

चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा के नेतृत्व में चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने संभागीय आयुक्त शिलेंद्र सिंह से मुलाकात की। चेंबर महामंत्री मनोज कटारे ने बताया कि संभागीय आयुक्त महोदय को चेंबर प्रतिनिधि मंडल ने सतना की दुर्दशा के कारण जनमानस को हो रही असुविधाओं से अवगत कराया। प्रतिनिधि मंडल की संभागीय आयुक्तसे नगर निगम प्रशासन के असंवेदनशील रवैये पर विस्तृत चर्चा हुई। अपना पक्ष रखते हुए चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा ने संभागीय आयुक्त को बताया कि चेंबर विगत 3 वर्षों से लगातार निगम प्रशासन से समन्वय बनाने का प्रयास कर रहा है परंतु नगर निगम की लगातार अनदेखी से चेंबर एवं 51 व्यापारी और सामाजिक संस्थाओं से जुड़े सैकड़ों व्यापारियों ने 14 जुलाई को शहर से जुड़ी समस्याओं से संबंधित ज्ञापन नगर निगम प्रशासन को दिया था। ज्ञापन लेते वक्त ए डी एम सतना और महापौर सतना द्वारा यह स्वीकारा था कि व्यापारियों की मांगें जायज हैं और इन मांगों के प्रभावी समाधान के लिए 3 दिन के अंदर नगर निगम के अधिकारी चेंबर से मिलेंगे तथा विस्तृत कार्य योजना तैयार कर त्वरित समाधान की दिशा में काम शुरू किए जाएँगे, परंतु आज 7 दिन गुज़र चुके हैं और नगर निगम की और से कोई पहल नहीं की गई है। बल्कि बदले में आयुक्त नगर निगम सतना द्वारा द्वेषपूर्ण भावना से चेंबर के दो सदस्यों पर कारवाई करने के लिए पुलिस अधीक्षक सतना को पत्र भी लिखा है। महापौर सतना द्वारा कलेक्टर को मीटिंग बुलाने के लिए पत्र लिखा है, इस पत्र से यह स्पष्ट है कि नगर निगम प्रशासन और जन प्रतिनिधि महापौर सतना के बीच आपसी समन्वय नहीं है। श्री सुखेजा ने बताया की हमेशा की तरह नगर निगम प्रशासन कागजों में उलझा कर अपना पल्ला झाड़ रहा है, इस शहर का दुर्भाग्य है कि विकास कागजों के बोझ के तले दबा जा रहा है। चेंबर प्रतिनिधि मंडल से संभागीय आयुक्त से इस विषय में सहयोग की अपील करते हुए उन्हें चेम्बर भवन सतना में पधारने का आग्रह भी किया। संभागीय आयुक्त महोदय ने चेंबर की इस पहल का स्वागत करते हुए सतना आने का आश्वासन देते हुए कहा कि चेंबर अपनी मांगें बिंदुवार उन्हें भेजे ताकि सभी विषयों को ध्यान में रखते हुए वे संबंधित विभागों से बात करके प्रभावी समाधान का पुख्ता इंतजाम कर सकें। प्रतिनिधि मंडल में चेंबर अध्यक्ष सतीश सुखेजा वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोहर वाधवानी महामंत्री मनोज कटारे पूर्व मंत्री हरिओम गुप्ता संयोजित सदस्य विपिन त्रिपाठी उपस्थित थे।

समय पर निवेश की शुरुआत और दीर्घकाल तक धैर्य बनाए रखने से ही बनती है मजबूत वित्तीय नींव : राजेश खूबचंदानी

Āê÷ (नगर संवाददाता)

एएमएफआई पंजीकृत म्यूचुअल फंड वितरक एवं वित्तीय साक्षरता लेखक राजेश खुबचंदानी ने बताया कि निवेश केवल सही योजना चुनने का विषय नहीं है, बल्कि सही समय पर सही निर्णय लेने और उस पर अनुशासित ढंग से टिके रहने का भी नाम है। इसी विषय पर आयोजित एक वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम में निवेशकों को एएसएपी और एएलएपी का व्यवहारिक सूत्र समझाया गया। उन्होने कहा कि वित्तीय सफलता केवल अधिक आय से नहीं, बल्कि समय पर शुरू की गई बचत, नियमित निवेश और लंबे समय तक धैर्य बनाए रखने से मिलती है।

उनके व्दारा कार्यक्रम में बताया गया कि निवेश की दुनिया में कम्पाउंडिंग (चक्रवृद्धि) का लाभ तभी मिलता है, जब निवेश की शुरुआत बिना अनावश्यक देरी के की जाए। वहीं, बाजार के उतार-चढ़ाव से घबराकर बार-बार निवेश बदलना दीर्घकालीन लक्ष्यों के लिए नुकसानदायक हो सकता है। इसलिए सही योजना बनाने के बाद उसे पर्याप्त समय देना भी उतना ही आवश्यक है।

उन्होने निवेशकों को नियमित बचत, आपातकालीन निधि तैयार करने, स्वास्थ्य एवं जीवन बीमा लेने, नामांकन पूरा करने तथा समय रहते टैक्स प्लानिंग करने की सलाह दी। साथ ही कहा कि भावनाओं के आधार पर निवेश संबंधी निर्णय लेने से बचें और अपनी वित्तीय योजना पर विश्वास बनाए रखें। कार्यक्रम में स्पष्ट किया गया कि यह जानकारी केवल वित्तीय शिक्षा एवं निवेश जागरूकता के उद्देश्य से साझा की गई है। किसी भी निवेश से पहले अपनी वित्तीय आवश्यकताओं, जोखिम क्षमता और निवेश अवधि का आकलन करना आवश्यक है। निवेशकों से सोच-समझकर निर्णय लेने और दीर्घकालीन दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान किया गया।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने अपहृता को किया दस्तयाब

रामबाग । अतरैला पुलिस ने अप्रहिता को 48 घंटे के अंदर अतरैला से दस्तयाब किया है आपको बता दें कि फरियादी द्वारा दिनांक 19/7/26 को अतरैला थाना में गुमसुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई जिस पर अतरैला पुलिस ने अपराध क्रमांक 120/26 के तहत धारा 137(2) बीएनएस की धारा के तहत मामला पंजीबद्ध कर 20 जुलाई 26 को अतरैला से ही दस्तयाब कर परिजनों को सकुशल सुपुर्द किया गया। उक्त कार्यवाही में उपनिरीक्षक थाना प्रभारी विजय सिंह परिहार सहायक उपनिरीक्षक रामनिवास बागरी आरक्षक केपी सिंह महिला आरक्षक दुर्गा सिंह बघेल महिला आरक्षक पिंकीबाई कुशवाहा की भूमिका सराहनीय रही।

गुरू पूर्णिमा 29 को हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा

रीवा। आशाराम बापू अहमदाबाद द्वारा संचालित श्री योग वेदान्त सेवा समिति के अध्यक्ष कैलाश आहूजा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि गुरु पूर्णिमा पर्व बड़े ही धूमधाम के साथ 29 जुलाई 2026 को सुबह 9 बजे सत्संग भवन, सिंधी धर्मशाला शास्त्री नगर में मनाया जायेगा। आरती, भजन के बाद सिंधी धर्मशाला शास्त्री नगर से सुबह 11 बजे से विभिन्न मार्गों से होते हुये शास्त्री नगर सिंधी धर्मशाला में सम्पन्न होगी। गुरु पूर्णिमा पर्व पर दोपहर 1 बजे से हेमू कालाणी चौक में भक्तजनों को विशाल महाप्रसाद का वितरण किया जायेगा। इस बैठक में शामिल बंशीधर वाधवानी, भजनलाल सचदेव, कैलाश आहूजा, आर.पी. भारद्वाज, नत्थूलाल प्रधान, अभिमन्यु गुप्ता, मधु शिवनानी, वंशिका तुलसानी, काशी खिलवानी, दिशा लालवानी, महेश साहू, कमलेश सचदेव, बृजलाल पटेल, राकेश गुप्ता, गणेश प्रसाद दुबे, पुष्कर वर्मा, महेश वर्मा, ज्ञानेन्द्र तिवारी, संदीप गुप्ता, अशोक सराफ, नानू भाई, जगत भाई, विनोद पटेल आदि साधकभाई उपस्थित रहे।

सीएम हेल्पलाइन के नाम पर पुलिस की दमनकारी नीति

आवेदिका पर दबाव बनाकर बंद करायी जा रही शिकायत, लूट रहे वाहवाही

आम जनता की समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए मप्र सरकार द्वारा चलायी जा रही सीएम हेल्पलाइन अपने मूल उद्देश्य को पूरा नही कर पा रही है। जनता अपनी शिकायत भले ही करती है, लेकिन उसका निराकरण नही हो पाता। अधिकारी शिकायतकर्ता के ऊपर मानसिक दबाव बनाकर शिकायत क्लोज करा देते हैं। पुलिस विभाग से जुड़ी हुई शिकायतों की स्थिति तो और भी भयावह है। पुलिस शिकायतों के निराकरण में दमनकारी नीति को अपना रही है। शिकायती आवेदनों के आंकड़ों में सबसे ज्यादा पुलिस विभाग से जुड़ी शिकायतें रहती हैं और बंद भी सबसे ज्यादा इसी विभाग के द्वारा करायी जाती है। शिकायकर्ताओं का कहना है कि पुलिस विभाग मानसिक तौर पर दबाव बनाकर, झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर शिकायत को बंद करा देती है और शिकायत निराकरण की झूठी वाहवाही बटोरती है। सेमरिया थाना के शाहपुर चौकी से जुड़ा एक मामला सामने आया है जहॉ सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करने वाली आवेदिका के ऊपर पुलिस जबरन दबाव बनाकर शिकायत बंद कराने की साजिश रच रही है।

नगर संवाददाता ■ रीवा

केंद्र और राज्य सरकार द्वारा महिला शसक्तीकरण के प्रयास को रीवा पुलिस पलीता लगा रही है। सेमरिया थानान्तर्गत शाहपुर चौकी के बीरखाम गौतमान की रहने वाली महिला सोनू मिश्रा जिसके पति गणेश मिश्रा मुंबई में कथा भागवत का पाठ करते हैं, के देवर गोपाल, गोविंद एवं जेठ अवधेश गौतम अपने बेटे बेटियों के साथ मिलकर सोनू मिश्रा की पैतृक संपत्ति हथियाने का षड़यंत्र रच रहे हैं। पीड़िता सोनू मिश्रा का बताना है कि उसके दरवाजे के सामने आरोपी गोपाल अपनी जमीन बताकर जबरन शौचालय निर्माण कराने की तैयारी कर रहा था, जिस पर पीड़िता द्वारा 112 में शिकायत दर्ज करायी गयी। शिकायत में इस बात का भी उल्लेख किया गया कि शाहपुर चौकी प्रभारी पाण्डेय द्वारा शिकायत के बावजूद कार्यवाई नहीं किये। पीड़िता का कहना है कि प्रकरण के निराकरण करने की बजाय चौकी प्रभारी आवेदिका पर शिकायत वापस करने का दबाव बना रहे हैं।

मानवाधिकार में भी लगायी इंसाफ की गुहार

फरियादियां सोनू मिश्रा का बताना है कि घर में काम करने वाले मजदूरों के ऊपर भी चौकी प्रभारी दबाव बनाते हुए कह रहे हैं कि जब तक महिला सीएम हेल्पलाइन से शिकायत वापस नहीं लेगी तब तक कोई मजदूर इसके घर काम नहीं करेगे। इसकी शिकायत पीड़िता ने सेमरिया थाना प्रभारी से भी की। आरोप है कि विपक्षी लोगों ने चौकी प्रभारी को घूंस देकर अपने मन मुताबिक काम करा रहे हैं। पीड़िता का कहना है कि पारिवारिक लोगों द्वारा 2025 में मेरे साथ मारपीट किये थे, जिसकी शिकायत थाना चौकी में दर्ज करायी गयी थी। कार्यवाही नहीं होने की स्थिति में 2026 में सीएम हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज करायी गयी लेकिन उसका भी परिणाम सामने नहीं निकला बल्कि प्रताणना ही झेलनी पड़ रही है। पीड़िता ने एसपी सहित सेमरिया थाना प्रभारी से न्याय की गुहार लगायी है, साथ ही चौकी प्रभारी को हटाये जाने की भी मांग रखी है।

■ **सेमरिया थाना के शाहपुर चौकी से जुड़ा मामला**

शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ शांतिपूर्ण मार्च पर बल प्रयोग लोकतंत्र पर हमला

नगर संवाददाता ■ रीवा

शिक्षा व्यवस्था में सुधार की मांग को लेकर चल रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर किए गए कथित बल प्रयोग की कड़ी निंदा की। नेताओं ने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार, परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और युवाओं के भविष्य को सुरक्षित करने की मांग को लेकर शांतिपूर्ण मार्च कर रहे छात्रों एवं युवाओं पर कथित लाठीचार्ज, आंसू गैस और अन्य बल प्रयोग अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं लोकतांत्रिक मूल्यों के विपरीत है। उनका कहना था कि लोकतंत्र में अपनी बात शांतिपूर्ण ढंग से रखना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और ऐसी परिस्थितियों में सरकार को संवाद का रास्ता अपनाना चाहिए। संविधान में सहमति में सहमति की भावना समाहित है उसका सम्मान करना चाहिए जो लोकतंत्र की खूबसूरती है। संयुक्त प्रेस वार्ता में नेताओं ने आरोप लगाया कि सरकार छात्रों की समस्याओं का समाधान करने के बजाय उनकी आवाज़ दबाने का प्रयास कर रही है। उन्होंने मांग की कि तत्काल शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बर्खास्त कर पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच कराई जाए, साथ ही साथ ही सिविल ड्रेस में डंडे लेकर वहां पर तैनात आसामाजिक तत्वों की जांच की जाए और उन पर उचित कार्रवाई की जाए। घायल छात्रों को उचित उपचार एवं मुआवजा दिया जाए तथा शिक्षा व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर व्यापक संवाद शुरू किया जाए। उन्होंने कहा कि देश के करोड़ों छात्र निष्पक्ष, पारदर्शी और जवाबदेह शिक्षा एवं परीक्षा प्रणाली की अपेक्षा रखते हैं। सरकार को छात्रों की चिंताओं को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा सुधार के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। प्रेस वार्ता के अंत में कांग्रेस प्रदेश महासचिव गुरमीत सिंह मंगू, कांग्रेस नेता रमाशंकर सिंह, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी जिला सचिव कामरेड गिरिजेश सिंह सेंगर, अमित सोहगौरा, अजय तिवारी, अनिल मिश्रा आदि नेताओं ने सभी लोकतांत्रिक एवं सामाजिक संगठनों से छात्रों के न्यायपूर्ण और शांतिपूर्ण संघर्ष के समर्थन में आगे आने की अपील की।

सड़क धंसने से बढ़ा हादसे का खतरा, जिम्मेदार बेखबर

नगर संवाददाता ■ रामबाग

रीवा जिले की जवा तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत अंदवा के पास स्थित पुलिया के बगल में सड़क का एक हिस्सा धंस जाने से आवागमन करने वाले लोगों के लिए गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। सड़क क्षतिग्रस्त होने के कारण यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है, लेकिन संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों का अब तक इस ओर कोई ध्यान नहीं गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिया के किनारे सड़क धंसने से दोपहिया और चारपहिया वाहनों के साथ-साथ भारी वाहनों के लिए भी दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। रात के समय यह स्थान और अधिक खतरनाक साबित हो सकता है। ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग से जल्द से जल्द क्षतिग्रस्त सड़क की मरम्मत कराने और सुरक्षा के लिए आवश्यक इंतजाम करने की मांग की है। लोगों का आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारी कुंभकर्णी नींद में सोए हुए हैं और किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं।

फरार हत्या के आरोपी पर 5 हजार का इनाम

■ **सूचना देने वाले की पहचान रखी जायेगी गोपनीय**

नगर संवाददाता ■ रीवा

रीवा जिले के मनगवां थाना पुलिस ने हत्या सहित विभिन्न गंभीर धाराओं में फरार चल रहे आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 5 हजार रुपये का इनाम घोषित किया है। पुलिस ने आरोपी का पोस्टर जारी कर आमजन से उसकी सूचना देने की अपील की है। पुलिस के अनुसार थाना मनगवां के अपराध क्रमांक 106/22 में आरोपी अंकुर सिंह उर्फ पल्लव सिंह पिता दीपेन्द्र सिंह उर्फ डिम्पल सिंह उम्र 22 वर्ष निवासी पथरहा, चौकी रघुनाथगंज थाना मनगवां जिला रीवा लंबे समय से फरार है। आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता/दंड संहिता की धारा 302, 307, 336, 294, 323, 427 एवं 506 के तहत मामला दर्ज है। थाना प्रभारी निरीक्षक पुष्पेंद्र मिश्रा ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी पर 5,000 रुपये का इनाम घोषित किया गया है। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि आरोपी के संबंध में कोई भी जानकारी मिलने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

[प्रदर्शन] सतना-चित्रकूट मार्ग नहीं बना तो होगा चक्का जाम : दिलीप मिश्रा

बरसात के बीच कांग्रेसियों ने घेरा एसडीएम कार्यालय

■ **मांगें पूरी नहीं हुईं तो होगी आर-पार की लड़ाई : आशुतोष द्विवेदी**

रीवा, नगर संवाददाता।

चित्रकूट विधानसभा क्षेत्र के मझगवां में अखिल भारतीय किसान कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव आशुतोष द्विवेदी के नेतृत्व में एसडीएम कार्यालय का घेराव किया गया। इस दौरान क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर एसडीएम को ज्ञापन सौंपकर शीघ्र समाधान की मांग की गई।

जिला कांग्रेस कमेटी सतना-मैहर के पूर्व अध्यक्ष दिलीप मिश्रा ने धरना-प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कहा कि यदि सतना-चित्रकूट मार्ग का निर्माण नहीं कराया गया तो सड़क पर धरना-प्रदर्शन के साथ चक्का जाम आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश और देश में अराजकता का माहौल है। उन्होंने नीट परीक्षा के पेपर लीक मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग भी उठाई। साथ ही जंतर-मंतर पर आंदोलन का समर्थन कर रहे छात्रों पर हुए कथित लाठीचार्ज की निंदा की।

कार्यक्रम के संयोजक आशुतोष द्विवेदी ने कहा कि कई बार ज्ञापन देकर प्रशासन का ध्यान समस्याओं की ओर आकर्षित कराया गया, लेकिन समाधान के बजाय आंदोलनकारियों पर कार्रवाई और फर्जी मुकदमे दर्ज करने की बात कही जाती है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि समय रहते मांगें पूरी नहीं हुईं तो अब आर-पार की लड़ाई लड़ी जाएगी।

ये रहे मौजूद

ज्ञापन में प्रमुख रूप से सतना-चित्रकूट मार्ग की मरम्मत एवं जांच, मझगवां नगर की बंद सड़क का निर्माण, पिंडरा-खोही सड़क का निर्माण, इंडो न्यूक्लियर एथेनॉल प्लांट से होने वाले प्रदूषण की जांच, बाजार की नालियों की सफाई, कन्या हाई स्कूल के सामने ब्रिक्स बिछाने, पुराने पोस्ट ऑफिस मार्ग का निर्माण, पेयजल व्यवस्था दुरुस्त करने, नई पानी की टंकी बनवाने तथा ग्राम पंचायत मझगवां द्वारा पिछले चार वर्षों में किए गए खर्च, विशेषकर टैक्सेशन मद की राशि की जांच कराने की मांग की गई। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मी मवासी, पूर्व संगठन मंत्री प्रदीप समदरिया, नीरज त्रिपाठी, बृजेश गर्ग, सफीक, राजू सौदागर, संतोष तिवारी, अवध नरेश शर्मा, योगेश पांडेय, विजय पांडेय, चिंतन नामदेव, बेटालाल मवासी, बगड़ प्रजापति, दीपेंद्र सिंह, महेश कोल, श्यामा बाई सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय महिला परिषद महाकौशल प्रांत की उपाध्यक्ष बनीं आरती

रीवा, नगर संवाददाता।

महाकौशल प्रांत की संगठनात्मक बैठक कृष्णम गार्डन रेस्टोरेंट में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ भगवान श्रीराम के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित एवं दीप प्रज्वलित कर विधिवत किया गया। बैठक के विभिन्न सत्रों में संगठन के राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों द्वारा 25 लाख घर-घर संपर्क अभियान, नए हनुमान चालीसा केंद्रों की स्थापना, संगठन विस्तार तथा आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी एवं कार्ययोजना प्रस्तुत की गई। बैठक के दौरान संगठन विस्तार की दृष्टि से सतना जिला की जिला अध्यक्ष आरती सिंह को राष्ट्रीय महिला परिषद, महाकौशल प्रांत उपाध्यक्ष नियुक्त किए जाने पर समस्त संगठन ने हर्ष व्यक्त किया है। इस अवसर पर मुख्य रूप से डॉ. बी.एल. चंदेल (राष्ट्रीय मंत्री, हिन्दू हेल्प लाइन), प्रमोद राय (राष्ट्रीय मंत्री, किसान परिषद), मालू जैन (प्रांत अध्यक्ष, अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद), डॉ. अशोक सोनी (प्रांत महामंत्री, अंतर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद), ओमप्रकाश यादव (प्रांत संगठन मंत्री), स्वराज बघेल (प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष, राष्ट्रीय बजरंग दल), विपिन (प्रांत महामंत्री, राष्ट्रीय बजरंग दल), प्रीति धनधारिया (प्रांत कार्यकारी अध्यक्ष, राष्ट्रीय महिला परिषद), सुनीता (प्रांत महामंत्री), रंजनी राव (प्रांत मंत्री) सहित महाकौशल प्रांत के 24 जिलों के जिला पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कल से ओवरहेड टैंक, फिल्टर प्लांट की होगी साफ-सफाई

■ **अस्थायी रूप से प्रभावित रहेगी जलापूर्ति**

रीवा, नगर संवाददाता।

शहर में निरंतर हो रही दूषित व गंदे पानी की सप्लाई से निजात दिलाने के लिए निगम प्रशासन ने आखिर तौर पर ओवरहेड टैंक समेत जल शोधन संयंत्रों की सफाई करवाने का निर्णय लिया है। निगम प्रशासन की माने तो स्वच्छ पेयजल की निर्बाध आपूर्ति के लिए 23 जुलाई से पेयजल टंकियों एवं जल शोधन संयंत्रों की चरणबद्ध सफाई होगी जो कि 11 अगस्त तक चलेगी। जिसमें शहर की विभिन्न पेयजल टंकियों एवं जल शोधन संयंत्रों (फिल्टर प्लांट) की चरणबद्ध सफाई, धुलाई तथा कीटाणुशोधन का कार्य किया जाएगा। सफाई कार्य के दौरान संबंधित क्षेत्रों में जलापूर्ति अस्थायी रूप से प्रभावित रहेगी। निगमायुक्त डॉ. शेर सिंह मीना ने नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आवश्यक मात्रा में पेयजल का पूर्व भंडारण कर लें, जिससे की समस्याओं का सामना न करना पड़े।

कब कहां होगी सफाई

माह जुलाई

23- टिकुरिया टोला टंकी (वार्ड 42, 43, 44, 45)
24- बायपास टंकी (वार्ड 22, 37, 43 एवं 45 का अंश)
25- सब्जी मंडी टंकी (वार्ड 35, 36, 38, 39, 40, 41 एवं 42 का अंश)
26- झंकार टाकीज टंकी (वार्ड 5, 6, 7 एवं 8)
27- व्यंकट क्रमांक-2 टंकी (वार्ड 24 एवं 25)
28- नई बस्ती टंकी क्रमांक-1
29- नई बस्ती टंकी क्रमांक-2
30- संतोषी माता टंकी
31- अशोक विहार टंकी

अगस्त माह

1- धवारी टंकी
2- जवाहर नगर टंकी
3- सिविल लाइन टंकी
4- बगहा टंकी
5- पतेरी टंकी
6- फिल्टर प्लांट (डब्ल्यूटीपी) टंकी
7- सांसद निवास टंकी
8- ट्रांसपोर्ट नगर टंकी
9- नजीराबाद टंकी
10- फिल्टर प्लांट क्लेरिफायर
11- फिल्टर प्लांट सम्प वेल

भवन का अभाव, रास्ता भी नहीं, 27 से आंदोलन

रीवा, नगर संवाददाता।

सोहावल विकासखंड के ग्राम पंचायत करसरा में शिक्षा और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव ग्रामीणों के लिए बड़ी समस्या बना हुआ है। करसरा हायर सेकेंडरी विद्यालय में कक्षा 1 से 12वीं तक की पढ़ाई संचालित हो रही है, लेकिन पर्याप्त भवन नहीं होने से छात्र-छात्राओं की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। वहीं सेमरिया ग्राम पंचायत के बौलिहा गांव तक जाने वाला मुख्य मार्ग जर्जर होने से बरसात के दिनों में ग्रामीणों का आवागमन लगभग ठप हो जाता है। समस्याओं का समाधान नहीं होने पर ग्रामीणों ने 27 जुलाई से आंदोलन की चेतावनी दी है। ग्रामीणों के अनुसार करसरा हायर सेकेंडरी विद्यालय में कुल 10 कमरे हैं, लेकिन इनमें से केवल 6 कमरे ही उपयोग योग्य हैं। इन्हीं कमरों में कला, जीवविज्ञान, गणित, वाणिज्य, कृषि तथा व्यावसायिक पाठ्यक्रमों सहित कक्षा 1 से 12वीं तक के विद्यार्थियों की पढ़ाई कराई जा रही है। जनपद सदस्य प्रतिनिधि उपेन्द्र शुक्ला ने बताया कि करसरा से बौलिहा तक जाने वाला मुख्य मार्ग पूरी तरह जर्जर है। बारिश के दौरान सड़क की स्थिति और खराब हो जाती है, जिससे छात्र, मरीज, ग्रामीणजनों को आवागमन में दिक्कत हो रही है।

नई दिशा फाउंडेशन ने मेधावी विद्यार्थियों का किया सम्मान

रीवा, नगर संवाददाता।

नई दिशा फाउंडेशन द्वारा रामकृष्ण विवेकानंद मिशन आश्रम हाई स्कूल में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों के लिए सम्मानित कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना था। समारोह में कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रथम स्थान प्राप्तकर्ता नम्रता सिंह, द्वितीय स्थान प्राप्तकर्ता शुभम सिंह तथा तृतीय स्थान प्राप्तकर्ता विनीत यादव को प्रशस्ति-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। जिसमें डॉ. देवेश अग्रवाल एवं डॉ. प्रतिमा अग्रवाल ने विद्यार्थियों को पुरस्कार प्रदान किए। यह सम्मान उनके ससुर स्वर्गीय डॉ. बी.एल. अग्रवाल की स्मृति में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. देवेश अग्रवाल ने कहा कि नई दिशा फाउंडेशन शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में पूरे जिले में उत्कृष्ट एवं प्रेरणादायी कार्य कर रही है। कार्यक्रम में नई दिशा फाउंडेशन की अध्यक्ष मनीषा सिंह, सचिव नितिन मिश्रा, सुभाष सिंह, नीलम सिंह, विद्यालय की प्राचार्य, शिक्षक-शिक्षिकाएँ, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित रहे।

बोर्ड परीक्षा के टॉपर्स का सांदीपनि विद्यालय में उपाध्यक्ष ने किया सम्मान

रीवा, नगर संवाददाता।

रामनगर स्थित सांदीपनि विद्यालय में आयोजित मेधावी छात्र सम्मान समारोह शिक्षा, प्रेरणा और उपलब्धियों का उत्सव बन गया। कार्यक्रम में वर्ष 2026 की बोर्ड परीक्षाओं में कक्षा 8वीं, 10वीं एवं 12वीं के टॉप-5 मेधावी विद्यार्थियों को प्रशस्ति पत्र, स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष रामखेलावन कोल ने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण का संदेश देते हुए कहा कि आज सम्मानित होने वाले विद्यार्थी आने वाले समय में जिले और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता पंकज सिंह परिहार, सांसद प्रतिनिधि कालिका प्रसाद पटेल, बीईओ राजेश द्विवेदी, बीआरसी चंद्र प्रताप शुक्ला, सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य सुग्रीव बिसेन, देवराजनगर प्राचार्य शिवेंद्र वर्मा सहित शिक्षक डॉ. वासदेव तिवारी, रामचरण साहू, उमेश पटेल, रूपेश नामदेव, अनंत भट्ट, राकीमुद्दीन सिद्दीकी, सीलू चौरसिया, चेतना कुशवाहा, राममित्र कुशवाहा, देवेंद्र बहादुर सिंह, अनिल चतुर्वेदी एवं विद्यालय का समस्त स्टाफ उपस्थित रहा। अतिथियों ने मेधावी विद्यार्थियों के साथ उनके अभिभावकों और शिक्षकों की भी सराहना करते हुए कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र निर्माण की सबसे बड़ी शक्ति है। समारोह के दौरान विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से समां बांधा, जबकि पूरे कार्यक्रम का प्रभावी एवं गरिमामय संचालन उच्च माध्यमिक शिक्षक (अंग्रेजी) रामरहीश यादव ने किया।

लघु वेतन कर्मचारी संघ के प्रांताध्यक्ष का हुआ स्वागत

सतना। मध्य प्रदेश लघु वेतन कर्मचारी संघ प्रान्ताध्यक्ष बीते 19 जुलाई को एक दिवसीय प्रवास में सतना आगमन पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष विनोद कुमार सेन एवं सैकड़ों कर्मचारियों द्वारा आत्मीय स्वागत किया गया। जिसमें प्रान्ताध्यक्ष द्वारा कर्मचारियों की मूलभूत समस्याओं का निराकरण कराने का आश्वासन दिया गया। प्रान्ताध्यक्ष का स्वागत करने वालों में रविनंदन दुबे पूर्व प्राचार्य, पुत्तीलाल, रामदयाल कोल, अनिल सेन, मनोज वर्मन, दीपक पनिका, रामप्यारे भास्कर, संजय शुक्ला, श्यामकली, भैयालाल, राजकुमार आदि उपस्थित रहे।

संपादकीय

नाटकीय शुरुआत

संसद के मानसून सत्र का आगाज हो चुका है, यकीनन सत्र हंगामेदार होगा, क्योंकि कई मुद्दों को लेकर विरोधाभास हैं। सत्र की शुरुआत ही नाटकीय और हास्यास्पद रही है। विपक्ष ने सर्वदलीय बैठक का बहिष्कार किया, क्योंकि तृणमूल कांग्रेस से बगावत करने वाले सांसदों को एनसीपीआई के प्रतिनिधि के तौर पर आमंत्रित किया गया था। बैठक में सुदीप बंदोपाध्याय और काकोली घोष मौजूद थे। विपक्ष के सांसदों ने बहिर्गमन किया, मीडिया को अपने-अपने बयान दिए और करीब 15 मिनट के बाद बैठक में वापस भी चले गए। यह क्या था..? बहिष्कार करना था, तो पूरी सर्वदलीय बैठक को खारिज करना चाहिए था। यह बैठक भी महज औपचारिक होती है, क्योंकि सदन में कार्यवाही बिल्कुल उलट होती है। बहरहाल इस सत्र के दौरान कमोबेश लोकसभा में सांसदों की सीट का परिदृश्य पहले से बिल्कुल अलग दिखाई देगा। स्पीकर ओम बिरला ने 48 सांसदों की सीटें बदली हैं, जिनमें 22 सांसद द्रमुक के हैं। चूंकि तमिलनाडु में द्रमुक-कांग्रेस का संबंध विच्छेद हो चुका है, लिहाजा द्रमुक ने उनकी सीटें बदलने का आग्रह किया था। इन 48 सांसदों की सीटें सत्ता-पक्ष की तरफ हैं। क्या मान लिया जाए कि अब ये 48 सांसद सत्तारूढ़ एनडीए के प्रत्यक्ष या परोक्ष हिस्सा हो गए हैं? इस बार कुछ और मुद्दों को लेकर भी कई विरोधाभास हैं। बेशक राम मंदिर में चढ़ावा-चोरी, पेपरलीक, परिसीमन, महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, ई-20 एथेनॉल विवाद, विदेश नीति, वोट चोरी और वांगचुक अनशन आदि बेहद संवेदनशील और राष्ट्रीय फलक के मुद्दे हैं, लेकिन दलबदल का राजनीतिक चलन सीधा लोकतंत्र, चुनाव प्रणाली और जनादेश के लिए गंभीर चुनौती है। बल्कि जनादेश को ठेंगा दिखाया जा रहा है। क्या संसद के भीतर ऐसे मुद्दे पर चर्चा होगी और कोई निश्चित नीति तय की जाएगी? लोकतंत्र के अभी तक के इतिहास में क्या कभी देखा गया कि जिस पार्टी का अस्तित्व ही गुमनाम हो, अचानक उसके पाले में 20 लोकसभा सांसद आ जाएं! यह 'काला चमत्कार' ही हो सकता है! बिना चुनाव चिह्न पर चुनाव लड़े, बिन उम्मीदवारी के और प्रत्यक्ष जनादेश हासिल किए बिना ही 20 सांसद! यानी औसतन 200 विधायक! बेशक यह लोकतंत्र पर कलंक है और दलबदल के जरिए राजनीतिक अस्थिरता का डरावना उदाहरण है। मायने बिल्कुल साफ हैं कि जनादेश कुछ भी हो, यदि आप सत्ता में हैं, तो किसी भी जनादेश को तोड़-फोड़ कर सदन में अपना आंकड़ा व्यापक कर सकते हैं। स्पीकर ने तृणमूल से टूटे 20 सांसदों के एनसीपीआई में विलय को मान्यता दी है और सत्ता-पक्ष के साथ उनकी नई सीटें तय की हैं और इस नए संसदीय दल के नेता, मुख्य सचेतक भी मनोनीत किए गए हैं। क्या अब इन्हें एनसीपीआई के सांसद माना जाय? लोकतंत्र तो ऐसी गवाही नहीं देता, बेशक स्पीकर ने मान्यता दे दी है। स्पीकर के सामने इन बागी सांसदों को 'अयोग्य' करार देने की याचिका अब भी विचाराधीन है। स्पीकर भी तो भाजपा के निर्वाचित सांसद हैं, लिहाजा उनकी राजनीतिक निष्ठाओं की परीक्षा होती रहती है। उन्हें बिल्कुल 'तटस्थ' नहीं माना जा सकता। बहरहाल चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में ये सवालिया सांसद तृणमूल कांग्रेस के 'विजयी सांसद' हैं, जिन्हें पार्टी अध्यक्ष ममता बनर्जी ने अधिकृत पत्र देकर प्रत्याशी बनाया था। चुनाव में उन्हें जनादेश मिला, तो जून 2024 से अभी जुलाई, 2026 तक वे तृणमूल सांसद ही थे। कितनी भी बगावत कर लें अथवा दलबदल कर लें, लेकिन जनादेश तृणमूल प्रतिनिधि को ही दिया गया था। बेशक जनता हिसाब कर लेगी! सवाल यह है कि ऐसे लोकतांत्रिक यथार्थ को कैसे बदला जा सकता है? सर्वोच्च अदालत के पांच न्यायाधीशों, तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश जस्टिस चंद्रचूड़ समेत, ने भी दलबदल पर जो फैसला दिया था, उसका उल्लंघन तो 'असंवैधानिक' है। क्या स्पीकर ऐसे फैसले को नजरअंदाज कर सकते हैं?

छात्र आंदोलन के दीर्घकालीन होने का निहितार्थ

मनोज कुमार झा

लेखक राज्यसभा में राष्ट्रीय जनता दल के सांसद हैं।

कल दोपहर, जब 'कॉकरोच जनता पार्टी' आंदोलनकारियों ने संसद की ओर कूच किया, तो सत्ता के नशे में चूर सरकार ने - जो किसी भी किस्म का विरोध सहना तो एक तरफ, असहमति तक बर्दाश्त नहीं करती-अपने अहंकार में उन युवाओं पर हाथ उठवाया जिन्होंने सिर्फ़ उपवास किया था, धरना दिया और अपनी बात रखी थी। आज दोपहर हुई धक्का-मुक्की, लाठीचार्ज, खून बहना और आंसू गैस के दृश्य भुलाना मुश्किल होगा। यह उस घटनाक्रम का नतीजा था जो शनिवार सुबह, 18 जुलाई को शुरू हुआ था, जब इस आंदोलन से जुड़े सबसे जाने-माने चेहरों में से एक, सोनम वांगचुक को पुलिस ने बेहद कमज़ोर व बेबुनियाद कारणों के आधार पर वहां से हटाया।

शनिवार और रविवार को, उनकी गैर-मौजूदगी में भी जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन अनवरत जारी रहा। तथापि, अगर इस हिंसा के पीछे मकसद आंदोलन को तोड़ना था, तो पिछले कुछ दिनों ने इसके उलट साबित कर दिखाया। इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता कि आंदोलन किसने शुरू किया, अब इसका नेतृत्व कौन कर रहा, या वहां मौजूद सभी हर मुद्दे पर सहमत हैं या नहीं। मायने यह रखता है कि युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में आकर सामूहिक रोष जताया। यह किसी एक चेहरे, नाम या पार्टी से कहीं बड़ी बात है। अपनेआप में लोकतंत्र की ज़बरदस्त लहर है। मैंने अपने सामने यह होते देखा, पहले शनिवार को और फिर आज। मैं 18 जुलाई को जंतर-मंतर पर उपवासरत छात्रों के साथ एकजुटता दिखाने गया था। पहले इसलिए नहीं जा सका कि दिल्ली से बाहर, अपने गृह राज्य में कुछ जरूरी और न टाली जा सकने वाली प्रतिबद्धताओं में व्यस्त था। जब उस सुबह सोनम वांगचुक को हिरासत में लेने की खबर मिली, तो कुछ पल के लिए सोचा कि क्या ऐसे समय में विरोध स्थल पर जाना उचित होगा। मैंने सोचा कि अवश्य ही माहौल मायूसी भरा होगा। फिर खुद को याद दिलाया कि एकजुटता दिखाने का असली औचित्य तो तभी है, जब आंदोलन को डराने या हौसला तोड़ने की कोशिश की जा रही हो। जंतर-मंतर पर मैंने जो देखा, वह मेरी कल्पना से बिल्कुल अलग था। मायूसी और थकावट के बजाय, दृढ़ संकल्प और हिम्मत व्याप्त देखी। माहौल आशा, नैतिक विश्वास और सामूहिक मकसद के असाधारण भाव से लबरेज़ था। ये सब युवा कॉकरोच जनता पार्टी के बैनर तले इकट्ठा थे, ऐसा नाम जो विद्रोह दर्शाता है। जब तंत्र के सबसे ऊंचे ओहदों में से एक की ओर से देश के बेरोज़गार युवाओं की तुलना के लिए कॉकरोच जैसे अपमानजनक शब्द का प्रयोग किया गया, तो युवाओं ने इस ताने को बतौर पहचान अपना लिया। सामाजिक आंदोलनों के समाजशास्त्र का अध्ययन करने, पढ़ाने और उनमें शामिल होने के पीछे मनोस्थिति का अध्ययन दशकों तक करने के बाद, मैं इस विरोध का विश्लेषण अकादमिक और राजनीतिक, दोनों नज़रियों से किए बिना नहीं रह सका; क्योंकि इसमें वे कई खूबियां थीं जिसकी तलाश नव सामाजिक आंदोलनों के सिद्धांतकार लोकतांत्रिक संघर्षों में करते हैं। सिर्फ़ लिखित सामग्री बांटने वाले या वर्ग-हितों के आधार पर होने वाले पारंपरिक आंदोलनों के उलट, यह जनांदोलन लोकतंत्र की जगह, संवैधानिक नैतिकता व नागरिकता की गरिमा बहाल करने के बारे में भी उतना ही था। एलेन टुरेन का तर्क कि ऐसे आंदोलन समाज की दिशा तय करने के लिए आखिरी उपाय होते हैं- यानी उन मूल्यों को परिभाषित करना,जिनके साथ लोग जीना चाहते हैं-यह मुहिम ठीक उसे परिभाषित करती लगी जो ये युवा हासिल करना चाह रहे ;अल्बर्टो मेलुची की अंतर्दृष्टि कि ऐसे अवसरों पर ताकत संगठनात्मक पदानुक्रम के बजाय सामूहिक पहचान व साझा अर्थों से चालित होती है,वह यहां साफ़ दिखी कि कैसे अजनबी लोग एक साझे मकसद हेतु साथी बन गए। फिर भी, मेरे मन में जो बात सबसे ज़्यादा बनी है, उसका संबंध ढांचे के बारे में अधिक न होकर उस बिंदु पर है जो इस पहली बड़ी लामबंदी ने अपने बारे में साबित किया- और यहां बीते कुछ दिनों में हुआ दमन जाने-अनजाने, इस आंदोलन का सबसे मज़बूत सबूत बन गया। इतनी बड़ी संख्या में लोगों का इकट्ठा होना, हुजूम में भी इतना जुड़ाव, पर्याप्त सबूत है कि यह आंदोलन मात्र प्रभाव बनाने के लिए किया गया दिखावटी विरोध नहीं। इसके स्वरूप में असल शिकायतों और सच्ची प्रतिबद्धता से उपजी झलक है। न कि वह जिसकी उम्मीद सरकारें अक्सर करती हैं, कि क्या यह आंदोलन क्षणिक चिंगारी है जो जल्द बुझ जाएगी।

सबसे बड़ी बात यह कि जिस सुबह इसके सबसे जाने-पहचाने चेहरे को हिरासत में लेकर ले जाया गया, तब भी समूह ने न तो कोई गलती की, न ही बिखरा, बल्कि अपनी जगह शांति और संयम के साथ बनाए रखी, जो वह परिपक्वता, दृढ़ संकल्प दर्शाती है, वे खूबियां जिन्हें अक्सर युवाओं से जोड़कर नहीं देखा जाता। इसने दर्शा दिया कि आंदोलन मुख्य नेता के बिना भी चल सकता है।

आंदोलन जो शनिवार सुबह अपने सबसे प्रमुख चेहरे को खोने के बाद भी सप्ताहांत भर डटा रहा, और फिर सोमवार को संसद तक मार्च कर सका, क्योंकि इस सवाल का जवाब देने का संकल्प कर रखा था कि क्या टिके रहना किसी एक व्यक्ति पर निर्भर है। एकत्र होने की भावना इसलिए इतनी व्यापक हो पाई कि इसने नागरिकों के बहुत बड़े वर्ग की नब्ज़ को छुआ; हर कोई अपनी-अपनी चिंताओं की वजह से आया, यहां उन्हें अपनी चिंताओं हेतु साझा भाषा मिली। जाहिर है कि तमाम व्यवस्थाओं को धीरे-धीरे खोखला किया जा रहा, और शिक्षा- जो किसी गणतंत्र द्वारा अपने युवाओं से किया गया सबसे बुनियादी वादा होता है- गिरावट की सबसे बड़ी मिसाल बन गई । तंत्र चलाने वाली सरकार वही है जिसका अनशनरत छात्रों के प्रति रवैया-जैसा आज बेरहमी से साफ़ हो गया- लाठी व आंसू गैस के गोले बरसाना है। इस भीड़ को व्यापकता देने वाला एक अंश यह भी कि जो शिकायतें अमूमन अलग-अलग रहती थीं, यहां आकर साझा दुख बन गईं। सबसे फौरी हैं लोकतांत्रिक चिंताएं। नागरिकता सिद्ध करने का संकट कई तरह से महसूस किया जा रहा- कौन नागरिक है या किसका हक है, इसको लेकर अनिश्चितता हो या असहमति के लिए कम होती जगह या फिर यह भावना बनना कि आम नागरिक की आवाज़ की अहमियत घट रही है। इसके साथ अन्य सामाजिक चिंताएं भी हैं। विविधतापूर्ण समाज को बांधे रखने वाले ताने-बाने पर लगातार पड़ रहा दबाव, जानबूझकर दिया जा रहा ध्रुवीकरण को बढ़ावा और रोज़मर्रा का शिष्टाचार खत्म होते किसने महसूस नहीं किया?

इन सबके पीछे वे आर्थिक दबाव हैं जिनका सबसे ज़्यादा असर युवाओं पर होता है। वे बढ़ती बेरोज़गारी, असमानता और जीवन-यापन की बढ़ती लागत जैसी कई चुनौतियों से जूझ रहे। अलग-अलग वजहों से पैदा हुई शिकायतों का यहां एक साथ आना संकेत है कि यह कोई सीमित विरोध-प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक व्यापक लोकतांत्रिक चिंता है। यही वजह है कि मुझे नहीं लगता कि यह आंदोलन जल्द खत्म होने वाला है। सरकारें अक्सर मान लेती हैं कि विरोध-प्रदर्शन बस कुछ समय के लिए होने वाली अस्थाई हलचल हैं, जिन्हें गिरफ़्तारियों, थकाकर कमज़ोर करके या प्रशासनिक पाबंदियों के ज़रिए संभाला जा सकता है। सामाजिक आंदोलनों के जानकार बार-बार ऐसी सोच के ख़तरे बारे चेताते आए हैं। जब कोई आंदोलन एक साझा लोकतांत्रिक पहचान बनाने में सफल हो जाता है, तो उसमें अलग-अलग जगहों और पीढ़ियों के बीच खुद को फिर से पैदा करने की क्षमता बन जाती है। तब यह किसी एक जगह या कुछ गिने-चुने नेताओं पर निर्भर नहीं रहता, क्योंकि यह संवाद, रिश्तों और सामूहिक यादों में रच जाता है। भौतिक स्थलों पर नियंत्रण किया जा सकता है या वहां बैरिकेड लगाए जा सकते हैं, लेकिन लोकतांत्रिक आकांक्षाओं को नहीं रोका जा सकता। हम यह नहीं भूलें कि दमन की हर कार्रवाई में ऐसे नागरिकों का दायरा बढ़ने की संभावना होती है जो सत्ता, न्याय और संवैधानिक नागरिकता के बारे में और मुश्किल सवाल पूछने लगेंगे।

हम पहले से ही देश के विभिन्न भागों में इस किस्म के विरोध-प्रदर्शन होते देख रहे हैं। दो दिनों की अपनी उपस्थिति के दौरान वहां मेरी मुलाकात जिन युवाओं से हुई, उन्होंने मुझमें यकीन जगाया कि यदि वे समावेशिता, नैतिक साहस और लोकतांत्रिक एकजुटता की इस भावना को बनाए रखते हैं, तो यह आंदोलन न सिर्फ़ कायम रहेगा, बल्कि भारतीय लोकतंत्र की नैतिक शब्दावली को भी समृद्ध करेगा। हर टिकाऊ सामाजिक आंदोलन वर्तमान के विरोध से परे होता है। यह अधिक न्यायपूर्ण भविष्य की कल्पना करने का निमंत्रण भी होता है। चुनावों से इतर, लोकतंत्र उन नागरिकों के ज़रिए खुद को नया रूप देता है जो उम्मीद नहीं तजते और साझी करुणा के आधार पर एकजुट हो जाते हैं। वे यह समझते हैं और इस बात पर ज़ोर देते हैं कि संविधान प्रदत वादा एक जीवंत सच्चाई बना रहना चाहिए।

'मैहर' राष्ट्रीय सांस्कृतिक विरासत सूची में

राजेश गनोदवाले

लेखक कला समीक्षक हैं।

देश में कुछ दिनों पहले आई यह ख़बर मन शीतल करने वाली है। समाचार है कि अब विश्वविख्यात 'मैहर बैंड' भारत सरकार की 'राष्ट्रीय अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची' में दर्ज हो गया है। यानी अब हम यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची से बस एक क़दम पीछे हैं। यह उपलब्धि केवल मैहर या विंध्य क्षेत्र की नहीं, पूरे मध्यप्रदेश और भारतीय शास्त्रीय संगीत जगत के लिए उम्मीद लाई है। विस्तृत अर्थों में यह शास्त्रीय संगीत की उस सोच का सम्मान है, जिसमें दुर्लभता के प्रति नमन भाव बाहर आता है।

नि:संदेह, इस बढ़त से भारतीय विरासत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाने के देशीय प्रयासों में ऊर्जा आएगी, साथ ही उस दिशा को देखने वाले रास्ते भी चौड़े होंगे। उत्तर भारतीय रागदारी संगीत से जुड़ी यह ख़बर तब और सुखदाई है जब भारत की शास्त्रीय बिरादरी में दुर्लभता को लेकर एक प्रकार का ठण्डापन पसरा है। आज शहनाई, दिलरुबा, तार शहनाई, इसराज और सारंगी या पखावज के प्रति आयोजन-समाज के भीतर कितनी गर्मजोशी है, बताने की जरूरत नहीं।

जान लें, 'मैहर बैंड' भारतीय वाद्य यंत्रों का ऐसा समूह है, जिसमें कुछ वाद्य इस बैंड के साथ ही जन्में। अर्थात्? उनका पहले कोई अस्तित्व नहीं था। इस आर्केस्ट्रा के जनक सरोद वादक बाबा अल्लाउद्दीन खां थे। अपनी कल्पनाशीलता से जब उन्होंने वाद्य यंत्रों के समूह के माध्यम से रागदारी बजाने, सुनवाने की परिकल्पना की तो पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ कुछ नवाचार भी जोड़ा। यही नवाचार दुर्लभ बन गया जब देश ने देखा कि लौह, पीतल के कुछ साधारण से पाइप भी सुर निकास में बराबरी का योगदान दे रहे हैं! मध्यप्रदेश के

ऐतिहासिक शहर से जुड़ी इस अनूठी शास्त्रीय परम्परा की कड़ी प्रसिद्ध 'मैहर घराना' से संबंधित है। एक समय सिमटा-सा कस्बा मैहर बाबा अल्लाउद्दीन खां की कर्मभूमि था। उन्हीं बरसों में बाबा ने सन? 1918 में इसे साकार किया था। बैंड और मैहर शहर का गठजोड़ लेते दिया गया सुंदर परिचय 'मैहर बैंड' के अस्तित्व में आने की कहानी भी खासी मर्मस्पर्शी है। असल में किसी महामारी के कारण मैहर में एकाधिक अनाथ बच्चों को देख दरबार के संगीतकार बाबा अल्लाउद्दीन खां का कलाकार मन विचलित हो उठा। तब उन्होंने कुछ सोचते हुए उन यतीम बच्चों को संगीत सिखाना शुरू किया। प्रशिक्षण सफल होने लगा तो उत्साहित बाबा ने एक ऑर्केस्ट्रा बनाया, वही समूह आगे चलकर 'मैहर बैंड' के रूप में छा गया। राज दरबार के शासक राजकुमार ब्रजनाथ सिंह की हरी झंडी ने बाबा के इस रुझान को उठान दे दी, नतीजा पांचों वक्त के नमाज़ी और पहाड़ी पर विराजित मां शारदा के प्रतिदिन बिला नागा दर्शन करने जाने वाले बाबा का रचनात्मक मन सक्रिय हो उठा। मैहर बैंड की सबसे बड़ी विशेषता 'नलतरंग' वाद्य है, जिसे बंदूक की नलियों को स्वरबद्ध कर बनाया गया था- इसे दुनिया का एकमात्र ऐसा शास्त्रीय वाद्य माना जाता है। सितार, सरोद, वायलिन, चेलो, तबला जैसे वाद्यों का समन्वय इसकी पहचान है।

बता दें कि 'संगना' यानी संगीत नाटक अकादमी भारत में यूनेस्को की नोडल एजेंसी के रूप में काम करती है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय के अधीन संगना ने ही मध्य प्रदेश की तीन विरासतों को इस महत्वपूर्ण दायरे में लिया है। प्रदेश पर्यटन मण्डल ने इसी वर्ष 8 जनवरी, सन? 2026 को मैहर बैंड के अलावा अगरिया लौह परंपरा' और निमाड़ के जनपदीय भोजन को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची में शामिल कराने का प्रस्ताव अकादमी को भेजा था। अब इन तीनों विरासतों को यूनेस्को की विश्व विरासत सूची में शामिल कराने के दावे को आधिकारिक रूप से बल मिला है। अब आगे क्या? तो इसी राष्ट्रीय सूची में से चयनित विरासतों का नामांकन प्रत्येक दो वर्ष में यूनेस्को भेजा जाता है।

इस सोच के पीछे खड़ी राज्य सरकार की बांछें खिलनी ही थीं। मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड, सचिव डॉ. इलैयाराजा टी. इसे 'पीढ़ियों से संजोकर रखी गई हमारी सांस्कृतिक प्रणालियों की बड़ी मान्यता' मानते हैं। संस्कृति मंत्री भी 'चिंता अब खत्म हुई' वाले मोड में होंगे, कारण सत्ता की पहल के बाद ही तो सुध ली गई है। दो राय नहीं कि भारत भवन बनने के बाद प्रदेश में संस्कृति के विस्तार की जो व्यापक दृष्टि तत्कालीन सचिव, अशोक वाजपेई ने दी थी यह उसी का एक विलंबित विस्तार है। नि:संदेह, बाबा के पौत्र और उनकी अगली पीढ़ियों के लिए भी अब 'अपने पूर्वज' के इन साक्षात? चिन्ह को संरक्षित करने की मंशा से मन में कोई कल्याणकारी स्वर बजा होगा।

'सदा दौड़ता रहता है नेता'

हास्य-व्यंग्य

प्रतुल श्रीवास्तव

हाल ही में मध्यप्रदेश के टीकमगढ़ में राज्यमंत्री दिलीप अहिरवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव के हेलीकॉप्टर पर सवार होने के लिए पूरी ताकत से दौड़ लगाना पड़ी। मंत्री जी को दौड़ता देख कर उनके साथ उनके सुरक्षाकर्मी भी दौड़े। मंत्री जी की दौड़ काम आई और वे हेलीकॉप्टर उड़ने के पहले उसमें सवार होने में सफल हो गए। मंत्री जी को दौड़ता हुआ देखकर लोग हंसते हुए उनका मजाक उड़ाने लगे। अरे मौका आने पर सभी अपनी छूटती गाड़ी पकड़ने के लिए दौड़ते हैं। इसमें हंसने वाली क्या बात है? और नेता की दौड़ तो कभी खतम नहीं होती। नेता के लिए आराम हराम है, इक मंजिल मिलते ही दूसरी दौड़ शुरू हो जाती है।

नेता बनने के लिए क्या-क्या नहीं करना पड़ता। दिन का चैन और रात की नींद हराम करना पड़ती है, पहले बड़े नेताओं के पीछे उनसे अपनी पहचान बनाने दौड़ो फिर उनका खास चमचा बनने दौड़ो, अपने फोटो और समाचार छपवाने पत्रकारों के पीछे दौड़ो। पार्टी से टिकट लेने के लिए फिर चुनाव प्रचार के लिए दौड़ो। आजकल वोटर समझदार हो गए हैं, शाद उदयपुरी कहते हैं-

किसको दूं मैं वोट यहां पर,
सबके भीतर खोट यहां पर।

जीत गए तो मंत्री बनने के लिए दौड़, मंत्री बन गए तो मंत्री बने रहने के लिए फिर मलाईदार विभाग के मंत्री पद को हथियाने के लिए और पुनः-पुनः चुनाव जीतने के लिए। आगे मुख्यमंत्री, राज्यसभा या लोकसभा में पहुंचने और केंद्रीय मंत्री से लेकर प्रधानमंत्री बनने तक की आकांक्षा को लेकर नेताओं की अथक दौड़ जारी रहती है। बिना दौड़े नेतागिरी में सफलता संभव नहीं। ...और दौड़ भी अपने समकक्ष नेताओं को धकियाते-गिराते हुए उनसे तेज। आप ध्यान से देखेंगे तो आपको हर छोटा-बड़ा नेता दौड़ता, अपने प्रतियोगी नेताओं को टांग मारता हुआ नजर आएगा। नेतागिरी में सब जायज है, कुछ भी कर, अपना रास्ता साफ कर।

जो दौड़ में थका-हारा उसका नेतागिरी का कैरियर खत्म। समाज सेवा का झंडा थामे राजनीति के पथ पर दौड़कर सफल होने वाले सभी नेताओं को बहुत बहुत बधाई। नेता बनने के इच्छुक बेरोजगारों को मेरी समझाइश है कि सेवा के नाम पर नेतागिरी को जीवन यापन का साधन बनाने की कोशिश तभी करें जब आजीवन दौड़ते रहने तैयार हों वरना कोई और काम देख लें।

तकनीक का शिकंजा : डिजिटल साक्ष्यों से अपराधियों पर कसती नकेल

डॉ. सुधीर कुमार

क्राइम थ्रिलर फ़िल्मों में अक्सर हम देखते थे कि अपराधी बड़ी चतुराई से सबूत मिटा देता था और अंत में 'परफेक्ट मर्डर' की गुत्थी अनसुलझी रह जाती थी। तब पुलिस की सफलता उंगलियों के निशानों और चश्मदीद गवाहों पर टिकी होती थी। लेकिन आज,हर इंसान चलते-फिरते एक 'डिजिटल डेटा बैंक' बन चुका है। डिजिटल युग में 'परफेक्ट मर्डर' की धारणा अब एक मिथक मात्र है, क्योंकि तकनीकी साक्ष्य मानवीय गवाहों से अधिक विश्वसनीय साबित हुए हैं।

केतन मर्डर केस और श्रद्धा वालकर हत्याकांड जैसे हालिया हाई-प्रोफाइल मामलों ने यह सिद्ध कर दिया है कि अपराधी चाहे कितने भी भौतिक सबूत मिटा ले, उसका 'डिजिटल फुटप्रिंट' - जैसे कि कॉल डिटेल रिकॉर्ड , टावर लोकेशन, गूगल मैप्स हिस्ट्री और इंटरनेट सर्च क्वेरी - झूठ नहीं बोलते। यह डेटा ट्रैकिंग न केवल अभियुक्तों के 'अलबाई' (घटनास्थल पर न होने का दावा) को खारिज करती है, बल्कि अपराध के इरादे और उसकी कड़ियों को जोड़ने में निर्णायक भूमिका निभाती है। आधुनिक न्यायिक प्रक्रिया में तकनीक ने अपराध जांच की दिशा पूरी तरह बदल दी है, जहां 'डेटा ही सबसे बड़ा गवाह' बन गया है।

भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023 (धारा 61 और 63) ने जांच की परिभाषा को पूरी तरह बदल दिया है। अब हत्या जैसे अपराधों की जांच केवल पोस्टमॉर्टम तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल साक्ष्य पर केंद्रित हो गई है। आज अपराधी चाहे कितनी भी चतुराई करे, वह अपने पीछे डेटा का एक ऐसा जाल छोड़ जाता है - जैसे कि मोबाइल लोकेशन, गूगल मैप्स, इंटरनेट सर्च हिस्ट्री, स्मार्ट वॉच का डेटा, व्हाट्सएप चैट्स, वाई-फाई सिग्नल, सीसीटीवी फुटेज और होम डिवाइस की वॉयस रिकॉर्डिंग, या ई-चालान में कैद कार की नंबर प्लेट - जो उसकी अपराध में संलिप्तता साबित करने के लिए पर्याप्त है। वर्तमान कानून के तहत, इन डिजिटल साक्ष्यों को अदालतों में 'प्राथमिक साक्ष्य' के रूप में पूर्ण मान्यता प्राप्त है।

भारतीय न्याय प्रणाली में डिजिटल साक्ष्यों की स्वीकार्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने अनवर पी.वी. (2014) और अर्जुन पंडितराव खोतकर (2020) जैसे ऐतिहासिक फैसलों के माध्यम से स्पष्ट किया है कि इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड्स की प्रमाणिकता हेतु धारा 65 बी के तहत प्रमाण पत्र अनिवार्य है। ये दोनों ही मामले 'इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य की ग्राह्यता' से संबंधित हैं। भारतीय कानून ने तकनीक के युग में साक्ष्यों की सत्यता सुनिश्चित कर न्याय को सुदृढ़ तो किया है, लेकिन इसने निजता के अधिकार के समक्ष भी चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। के.एस. पुट्टास्वामी (2017) का फैसला हमें

आगाह करता है कि सुरक्षा के नाम पर राज्य की डिजिटल निगरानी असीमित नहीं हो सकती। कानून निर्माताओं के लिए सबसे बड़ी चुनौती 'डिजिटल फॉरेंसिक' के नाम पर नागरिकों की निजता और सुरक्षा के बीच एक सटीक संतुलन बनाए रखना है।

आजकल अपराध और जांच का स्वरूप पूरी तरह डिजिटल हो गया है। अपराधी 'परफेक्ट मर्डर' के लिए सबूत मिटाने हेतु डेटा हैक या डिलीट करने का सहारा लेते हैं । हालांकि, वे यह भूल जाते हैं कि डिजिटल दुनिया में 'डिलीट' किया गया डेटा कभी पूरी तरह खत्म नहीं होता। 'डिजिटल फॉरेंसिक' और 'रिकवरी टूल्स' के जरिए पुलिस क्लाउड बैकअप, सर्वर लॉग्स और डिलीट की गई फाइलों को आसानी से पुनः प्राप्त कर सकती है। डिजिटल सर्वर पर हर गतिविधि का कोई न कोई प्रमाण हमेशा मौजूद रहता है।

दरअसल, जैसे-जैसे कानून सख्त हो रहा है, अपराधी 'आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस' और 'डार्क वेब' का इस्तेमाल करके खुद को बचाने की कोशिश कर रहे हैं। जहां पुलिस डिजिटल साक्ष्य के सहारे आगे बढ़ रही है, वहीं अपराधी डिजिटल साक्ष्य को 'मैनीपुलेट' या 'फेक डिजिटल फुटप्रिंट' बनाने की कोशिश कर रहे हैं। यह साइबर-क्राइम और फोरेंसिक का एक नया युद्ध है।

आज अपराधों को रोकने के लिए व्यवस्था को 'डिजिटल-रेडी' बनाना अनिवार्य है। सबसे पहले पुलिस बल का आधुनिकीकरण करते हुए हर स्तर पर अत्याधुनिक साइबर-फोरेंसिक लैब और विशेषज्ञों की एक बड़ी टीम तैयार करनी होगी। साथ ही, जजों और वकीलों को तकनीकी साक्ष्यों की बारीकियां समझने के लिए नियमित प्रशिक्षण देना जरूरी है।

साक्ष्यों की प्रमाणिकता सुनिश्चित करने हेतु ब्लॉकचेन जैसी तकनीक का उपयोग करना चाहिए और स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत सीसीटीवी नेटवर्क को और अधिक सुदृढ़ करना होगा। नागरिक जागरूकता को बढ़ावा देने के साथ-साथ निजी डेटा सुरक्षा और जांच के बीच एक सटीक संतुलन बनाना होगा, ताकि तकनीक का उपयोग अपराध को सुलझाने में एक मजबूत और पारदर्शी हथियार के रूप में किया जा सके। आज अपराधी चाहे जितनी चालाकी से सबूत मिटा ले, वह डिजिटल दुनिया में कोई न कोई ऐसी भूल कर देता है जो उसे सलाखों के पीछे पहुंचा देती है। हालांकि, इस पूरी व्यवस्था में न्याय की गुणवत्ता बनाए रखने के लिए तकनीक के साथ-साथ मानवीय समझ का संतुलन भी बेहद जरूरी है।

(लेखक कुरुक्षेत्र विवि के विधि विभाग में सहायक प्रोफेसर हैं)

प्रीति योग में 29 को मनेगी गुरु पूर्णिमा, गुरु पूजन से मिलेगा शुभ फल

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

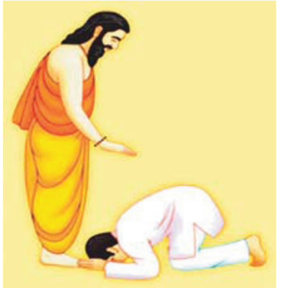

इस वर्ष गुरु पूर्णिमा 29 जुलाई (बुधवार) को श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई जाएगी। इस दिन शहर में जगह-जगह विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे और गुरुओं का सम्मान होगा। ज्योतिषाचार्य सुनील चोपड़ा के अनुसार इस बार गुरु पूर्णिमा पर प्रीति योग, हर्षण योग और पूर्वाषाढ़ा नक्षत्र का दुर्लभ संयोग बन रहा है, जिसे ज्योतिष शास्त्र में अत्यंत शुभ और फलदायी माना गया है। इस योग में गुरु पूजा, जप-तप, दान-पुण्य और आध्यात्मिक साधना करने से कई गुना अधिक शुभ फल की प्राप्ति होती है।

ज्योतिषाचार्य के अनुसार गुरु पूर्णिमा को व्यास पूर्णिमा भी कहा जाता है, क्योंकि इसी दिन महर्षि वेदव्यास का अवतरण हुआ था। वे महाभारत के रचयिता और चारों वेदों के संकलक माने जाते हैं। भारतीय संस्कृति में गुरु को ईश्वर के समान स्थान दिया गया है। गुरु ही अज्ञान के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं और जीवन को सही दिशा प्रदान करते हैं। इसी कारण गुरु पूर्णिमा का पर्व गुरु के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का सबसे बड़ा अवसर माना जाता है।

यह रहेंगे शुभ मुहूर्त

ज्योतिषाचार्य के अनुसार पूर्णिमा तिथि 28 जुलाई को शाम 6:18 बजे से प्रारंभ होकर 29 जुलाई को रात 8:05 बजे तक रहेगी। वहीं 29 जुलाई को सुबह 5:41 से 9:05 बजे तक गुरु पूजन के लिए विशेष शुभ मुहूर्त रहेगा।

सिद्धि और शिव योग में आज मनी भड़ली नवमी

हिंदू धर्म में आषाढ़ शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को मनाई जाने वाली भड़ली नवमी को वर्ष के प्रमुख अबूझ मुहूर्तों में माना जाता है। सामान्यत: इस दिन बिना पंचांग या विशेष मुहूर्त देखे विवाह सहित अन्य शुभ एवं मांगलिक कार्य किए जाते हैं। हालांकि इस वर्ष गुरु (बृहस्पति) तारा अस्त होने के कारण भड़ली नवमी पर भी विवाह और अन्य मांगलिक संस्कार नहीं होंगे। ज्योतिषाचार्य के अनुसार भड़ली नवमी 22 जुलाई बुधवार को मनाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस दिन भले ही विवाह नहीं होंगे, लेकिन ग्रह-नक्षत्रों का विशेष संयोग रहेगा। भड़ली नवमी पर सिद्धि योग, शिव योग और रवि योग जैसे शुभ योग बन रहे हैं, जिन्हें कार्यों में सफलता और शुभ फल प्रदान करने वाला माना जाता है। धार्मिक अनुष्ठान, पूजा-पाठ, दान-पुण्य और आध्यात्मिक साधना के लिए यह दिन अत्यंत शुभ रहेगा।

इंटरसिटी में यात्री की तबीयत बिगड़ी, स्टेशन पहुंचने से पहले मौत

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

इंटरसिटी एक्सप्रेस में सफर कर रहे एक 72 वर्षीय यात्री की अचानक तबियत बिगड़ने के बाद मौत हो गई। ट्रेन के ग्वालियर स्टेशन पहुंचने पर रेलवे चिकित्सकों ने जांच के बाद यात्री को मृत घोषित कर दिया। जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर मर्ग कायम कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

मंगलवार को झांसी कंट्रोल से सूचना मिली थी कि इंटरसिटी एक्सप्रेस में एक यात्री की हालत गंभीर है और वह अचेत अवस्था में है। सूचना मिलने के बाद रेलवे सुरक्षा और वाणिज्य विभाग की टीम स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर-3 पर पहुंची। ट्रेन रात करीब 2:20 बजे स्टेशन पहुंची व रेलवे अधिकारियों ने कोच में पहुंचकर यात्री को अटेंड किया। वहां एक व्यक्ति अचेत अवस्था में मिला। साथ मौजूद महिला आशा जाधव ने बताया कि यात्री उनके पति विश्वास राव जाधव दोनों विदिशा से ग्वालियर की यात्रा कर रहे थे। महिला ने बताया कि पनिहार स्टेशन के पास अचानक उनके पति की तबियत ज्यादा खराब हो गई थी, जिसके बाद वह अचेत हो गए। ग्वालियर स्टेशन पहुंचने तक उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ। रेलवे डॉ. हिमांशु शर्मा ने यात्री की जांच की और उन्हें मृत घोषित कर दिया। जीआरपी की टीम मौके पर पहुंची व शव विच्छेदन के लिए शव को भिजवाया।

ब्राह्मण मिलनोत्सव संपन्न

ग्वालियर। सकल ब्राह्मण महासमिति द्वारा 11 ब्राह्मणों के सामूहिक जनेऊ संस्कार बुधवार 22 जुलाई को श्री परशुरामेश्वरम मंदिर, रामकुई पर आयोजित किया गÖा। कार्यक्रम में पंडित गिरिराज गुरुजी एवं पंडित ब्रह्मदत्त पांडेय शास्त्री के मुख्य आचार्यत्व में धार्मिक विधियां संपन्न हÅ। वहीं सकल ब्राह्मण महासमिति का ब्राह्मण मिलनोत्सव 23 जुलाई को शाम 4:30 बजे सनाढ्य सभा भवन, रामकुई में आयोजित हÃ। इस अवसर पर 11 ब्राह्मण सामूहिक जनेऊ संस्कार धारी युवाओं को आशीर्वाद दिया गÖा। साथ ही महासमिति की आजीवन सदस्यता ग्रहण करने वाले सदस्यों को शपथ दिलाई गÖी।

विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में आषाढ़ी एकादशी उत्सव प्रारंभ, होंगे भजन-कीर्तन

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

चावड़ी बाजार स्थित प्राचीन श्री विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में 102वां आषाढ़ी एकादशी उत्सव 22 से 31 जुलाई तक श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में आयोजित किया जाएगा। दस दिवसीय इस धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन पूजा-अर्चना, आरती, नाम जप, कीर्तन, भजन और भक्ति संगीत के कार्यक्रम श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

मंदिर परिसर में निवासरत गवांदे परिवार द्वारा आयोजित इस उत्सव की जानकारी देते हुए उत्सव के प्रचार-प्रसार प्रमुख निशिकांत सुरंगे ने बताया कि 22 से 29 जुलाई तक प्रतिदिन शाम 6:30 से रात 8 बजे तक पुणे के हरिभक्त परायण उद्धव बुआ जावडेकर द्वारा कीर्तन श्रृंखला प्रस्तुत की जाएगी। 25 जुलाई को देवशयनी एकादशी के अवसर पर रात 8:30 बजे हेमांग कोल्हटकर एवं साथियों की भक्ति संगीत संध्या आयोजित होगी। 26 जुलाई को स्वर गंधाली द्वारा 'गजर विट्ठलाचा' की प्रस्तुति दी जाएगी, जिसमें डॉ. गोविंद धारकर भी शामिल होंगे। 27 जुलाई को प्रमोद संत एवं साथी भक्ति संगीत की प्रस्तुति देंगे। वहीं 30 जुलाई को आबा महाराज मंदिर द्वारा रामधुन का आयोजन होगा। 31 जुलाई को महाप्रसाद के साथ उत्सव का समापन होगा। उन्होंने बताया कि 22 से 28 जुलाई तक प्रतिदिन स्थानीय भजन मंडलियों द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी।

1924 से निभाई जा रही आषाढ़ी एकादशी उत्सव की परंपरा

श्री विट्ठल-रुक्मिणी मंदिर में आषाढ़ शुक्ल एकादशी उत्सव वर्ष 1924 से लगातार आयोजित किया जा रहा है। मंदिर में नित्य पूजा-अर्चना और आरती के साथ आषाढ़ शुक्ल एकादशी, कार्तिक शुक्ल एकादशी, वसंत पंचमी स्थापना दिवस सहित प्रमुख धार्मिक पर्व श्रद्धा के साथ मनाए जाते हैं। मंदिर में स्थापित भगवान विट्ठल की प्रतिमा की विशेष मान्यता है। इसमें पंढरपुर स्थित विट्ठल प्रतिमा के प्रमुख चिन्ह जैसे रेत के कण, शिवलिंग, शंख, कमल, भगवान के खड़े होने की ईंट, कौस्तुभ मणि और अंगूठे के निशान विद्यमान हैं।

गवांदे परिवार संभाल रहा परंपरा की जिम्मेदारी

मंदिर की स्थापना के बाद से गवांदे परिवार लगातार इसकी धार्मिक परंपराओं और व्यवस्थाओं का निर्वहन कर रहा है। संस्थापक माधव बुआ के उत्तराधिकारियों के रूप में स्व. केशवराव गवांदे, माधवराव केशवराव, गंगाधरराव माधवराव और विश्वनाथराव माधवराव ने मंदिर की जिम्मेदारी संभाली। वर्तमान में विनोद माधवराव गवांदे, उदय गंगाधरराव, चारूदत्त विश्वनाथ और विनय गंगाधरराव गवांदे अपने परिवारों के साथ मंदिर की व्यवस्थाओं और धार्मिक आयोजनों का संचालन कर रहे हैं। वहीं पिछले आठ वर्षों से निशिकांत सुरंगे प्रचार-प्रसार प्रमुख के रूप में सेवाएं दे रहे हैं।

मायके पक्ष ने लगाया प्रताड़ना का आरोप

एमईएस इंजीनियर की पत्नी ने लगाई फांसी

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

महाराजपुरा थाना क्षेत्र में नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका का पति मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (एमईएस)

में इंजीनियर हैं। नवविवाहिता के फांसी लगाने की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और वहां का निरीक्षण किया। मायके पक्ष ने प्रताड़ना का आरोप लगाया है। पुलिस ने आत्महत्या के कारणों की जांच प्रारंभ कर दी है।

मूलतः आगरा हाल दीनदयाल नगर में रहने वाले गजेन्द्र फौजदार इन दिनों वायुसेना में स्थित एमईएस में जूनियर इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं। गजेन्द्र का एक वर्ष पहले आगरा निवासी साक्षी चौधरी 28 वर्ष से विवाह हुआ था। गजेन्द्र मंगलवार को अपनी डयूटी पर गए थे। फ्लैट पर साक्षी अकेली थी, दोपहर साढ़े तीन बजे के करीब गजेन्द्र घर लौटे और कमरे में पहुंचे तो नजारा देखकर हैरान रह गए। साक्षी का शव फांसी पर लटका हुआ था। नवविवाहिता के फांसी पर पति ने पुलिस को सूचना दी। फांसी की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। साक्षी के भाई विमल चौधरी ने पति पर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया है और साथ ही उसकी मौत को संदिग्ध बताया है। साक्षी ने फांसी क्यों लगाई फिलहाल कारणों का पता नहीं चल सका है। बताया गया है कि दोपहर तक साक्षी घर के कामकाज कर रही थी लेकिन साढ़े तीन बजे के करीब उसके द्वारा आत्मघाती कदम उठाना बताया जा रहा है। पुलिस ने शव विच्छेदन गृह भेज फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है।

एक माह पहले ही आई थी साक्षी

विमल ने बताया कि विवाह के बाद से ही गजेन्द्र और साक्षी में मनमुटाव शुरू हो गया था। आगरा में दोनों परिवारों में बैठकर बात होने पर साक्षी ससुराल आगरा में ही रह रही थी। परिजनों ने साक्षी को गजेन्द्र के साथ ग्वालियर इस उम्मीद में एक माह पहले भेज दिया था कि दोनों साथ रहेंगे तो मनमुटाव दूर हो जाएगा।

युवक ने फांसी लगाकर दी जान

बहोड़ापुर थाना क्षेत्र में एक युवक ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। मृतक ने फांसी लगाने से पहले रात को घर में जमकर उत्पात मचाया था और सुबह उसका शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव विच्छेदन गृह पहुंचाया। मेवाती मोहल्ला में रहने वाला सलीम पुत्र सुल्तान खान 42 वर्ष पेशे से ऑटो चालक था। सोमवार को वह शराब पीकर रात को घर पहुंचा और हंगामा करने लगा। नशे में होने के कारण सलीम को समझाया, लेकिन वह उत्पात्त करने से नहीं माना। सलीम को उसकी मां ने किसी तरह उसे समझाकर शांत कराया। इसके बाद वह सो गया था। मंगलवार को जब परिजन कमरे में पहुंचे तो सलीम का शव फांसी पर लटका हुआ था। देर रात को सलीम ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। फांसी का पता चलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। सलीम ने फांसी क्यों लगाई परिजनों ने कोई वजह नहीं बताई है। पुलिस ने शव विच्छेदन गृह पहुंचाने के बाद फिलहाल मर्ग कायम कर लिया है। इस संबंध में बहोड़ापुर थाना प्रभारी आलोक सिंह परिहार का कहना है कि युवक ने फांसी क्यों लगाई जांच के बाद ही पता लग सकेगा।

इनका कहना है

नवविवाहिता ने किन परिस्थितियों में आत्महत्या की, जांच के बाद ही सच्चाई का पता लगेगा। पुलिस ने शव विच्छेदन गृह भेज आत्महत्या के कारणों की जांच शुरू कर दी है। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

यशवंत गोयल
महाराजपुरा थाना प्रभारी

कारोबारियों ने मुख्यमंत्री-विधानसभा अध्यक्ष से भेंट की

ग्वालियर। सोना-चांदी सराफा व्यवसायी संघ, लश्कर ग्वालियर के 35 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को मध्यप्रदेश विधानसभा का भ्रमण किया। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा की कार्यप्रणाली को निकट से जाना तथा विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर से भेंट की। इसके उपरांत प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री निवास पहुंचा, जहां मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर सराफा व्यवसाय से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई तथा व्यापारियों की समस्याओं और सुझावों से मुख्यमंत्री को अवगत कराया गया। प्रतिनिधिमंडल में पुरुषोत्तम जैन, रवि प्रताप अग्रवाल, चन्दन अग्रवाल, चिराग सांखला, अजय मंगल, अखिलेश गोयल, प्रकाश अग्रवाल, अजय मेहता आदि शामिल रहे।

डॉ. हुकुमचंद जैन लखनऊ में सम्मानित

ग्वालियर। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ स्थित आशियाना महावीर दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित ज्योतिष संगोष्ठी एवं शंका समाधान कार्यक्रम में ग्वालियर के प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य डॉ. हुकुमचंद जैन को सम्मानित किया गया। जैन मंदिर आशियाना कमेटी द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम मेडिटेशन गुरु उपाध्याय श्री विहसंत सागर महाराज के सानिध्य में आयोजित हुआ। जिसमें दिल्ली सहित विभिन्न स्थानों से आए ज्योतिषाचार्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम में समाज के युवा छात्र-छात्राओं के साथ ही महिला और पुरुषों ने बड़ी संख्या में सहभागिता कर ज्योतिष संबंधी जानकारियां प्राप्त कीं।

ग्राहक अधिकारों की रक्षा को तेज होगी मुहिम संगठन विस्तार की बनी कार्ययोजना

■ अभा ग्राहक पंचायत की प्रांत बैठक आयोजित

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत, मध्य भारत प्रांत की त्रैमासिक प्रांत बैठक ग्वालियर में उत्साह और संगठनात्मक ऊर्जा के साथ संपन्न हुई। बैठक में प्रांत के 18 जिलों से आए प्रतिनिधियों, प्रांत पदाधिकारियों एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में संगठन विस्तार, कार्यकर्ता निर्माण, सदस्यता अभियान, ग्राहक जागरूकता और विभिन्न आयामों के कार्यों की समीक्षा के साथ आगामी कार्ययोजना तय की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता एवं स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलन तथा ग्राहक गीत के साथ हुआ।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आशा सिंह की उपस्थिति में राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य एवं उत्तर-पश्चिम तथा मध्य क्षेत्र के संगठन मंत्री मुकेश त्यागी ने 'कार्यकर्ता का दायित्व, संगठनात्मक अनुशासन एवं समन्वय' विषय पर मार्गदर्शन देते हुए कहा कि किसी भी संगठन की सबसे बड़ी ताकत उसके समर्पित, अनुशासित और सक्रिय कार्यकर्ता होते हैं। मध्य क्षेत्र संगठन मंत्री अलंकार वशिष्ठ ने संगठन विस्तार, नियमित प्रवास, कार्यकर्ता निर्माण और केंद्रीय कार्यालय के लिए स्थायी दानदाताओं की सूची तैयार करने पर बल दिया। सह क्षेत्र संगठन मंत्री विजय पाटिल ने अभ्यास मंडल और वार्षिक कैलेंडर की कार्ययोजना से अवगत कराया।

प्रांत अध्यक्ष विजय गंभीर ने प्रत्येक जिले में मार्गदर्शन केंद्र, कंज्यूमर क्लब, ग्राहक मोहल्ला और छात्रावास गतिविधियों को सक्रिय करने का आह्वान किया। वहीं, प्रांत कोषाध्यक्ष सतीश चितवार ने संगठन को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने तथा समर्पण दिवस पर विशेष धन संग्रह अभियान चलाने की आवश्यकता बताई। बैठक में प्रचार आयाम प्रमुख प्रदीप जैन, पर्यावरण आयाम प्रमुख आशीष तिवारी, विधि आयाम प्रमुख हरीश बारी, स्वरोजगार आयाम प्रमुख अर्जुन कुशवाह और महिला आयाम प्रमुख प्रियंका राजावत ने अपने-अपने क्षेत्रों की कार्ययोजना प्रस्तुत की।

सदस्यता अभियान का लक्ष्य तय

प्रांत संगठन मंत्री लोकेंद्र मिश्रा ने आगामी सदस्यता अभियान की घोषणा करते हुए मध्य भारत प्रांत के 18 जिलों के लिए 10,600 नए सदस्य बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया। साथ ही सभी जिलों के सदस्यता प्रभारियों की घोषणा भी की गई। बैठक के अंत में सभी प्रतिनिधियों ने निर्धारित लक्ष्य को समयबद्ध ढंग से पूरा करने और ग्राहक अधिकारों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के विभिन्न सत्रों का संचालन प्रांत सह सचिव देवेंद्र भार्गव एवं वंदना सैनी ने किया। बैठक के समापन पर पटेल नगर क्षेत्र में ग्राहक जागरूकता यात्रा निकालकर उपभोक्ता अधिकारों के प्रति जनजागरण का संदेश दिया गया।

नशे के कारोबार पर प्रहार : 1713 किलो से ज्यादा मादक पदार्थों को किया नष्ट

ग्वालियर। एनडीपीएस एक्ट के अन्तर्गत जब्तशुदा मादक पदार्थों के विनष्टीकरण हेतु भारत सरकार नारकोटिक्स कन्ट्रोल ब्यूरो नई दिल्ली के निर्देशानुसार ग्वालियर रेंज के अधीनस्थ जिलों में जब्तशुदा मादक पदार्थों का मंगलवार को गुना अमायनगंज में स्थित जेके सीमेंट फैक्ट्री में विनष्टीकरण किया गया। पुलिस उप महानिरीक्षक डॉ. असित यादव की अध्यक्षता में ड्रग विनष्टीकरण समिति का गठन किया गया है एवं अधीनस्थ पुलिस अधीक्षक शिवपुरी और पुलिस अधीक्षक अशोकनगर को सदस्य के रूप में नियुक्त किया गया है। ग्वालियर में 36 प्रकरण जिनमें स्मैक के 11 प्रकरणों में 469.105 ग्राम, गांजे के 23 प्रकरणों में 831.415 कि.ग्रा एवं डोडाचूरा के 2 प्रकरणों में 413.06 किग्रा मादक पदार्थों का विनष्टीकरण मंगलवार को अमायनगंज सीमेंट फैक्ट्री में कराया गया। इसके पूर्व 17 अप्रैल 2026 को भी ग्वालियर रेंज के अधीनस्थ जिलों के 76 प्रकरणों में जब्त 1823.92 किलोग्राम गांजा कीमती लगभग 3 करोड़ 64 लाख 78 हजार 400 रुपए, 1.483 किलोग्राम 17 मि.ग्रा. स्मैक कीमती लगभग 1 करोड़ 48 लाख 30 हजार 170 रुपए, 117.347 किलोग्राम डोडा चूरा कीमती लगभग 11 लाख 73 हजार 470 रुपए कुल 19 क्विंटल 43 किलो मादक पदार्थों की कीमत लगभग 5 करोड़ 24 लाख 82 हजार रुपए का जेके सीमेंट फैक्ट्री, अमानगंज, जिला पन्ना में विनष्टीकरण किया गया था।

बजरंग दल के साप्ताहिक मिलन केंद्र में धर्म, संगठन एवं राष्ट्रसेवा का दिया संदेश

हनुमान जी के आदर्शों को आत्मसात कर बनें चरित्रवान और राष्ट्रभक्त : भट्ट

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

विश्व हिन्दू परिषद, बजरंग दल के साप्ताहिक मिलन केंद्र के अंतर्गत वीरपुर रोड, सिकंदर कम्पू स्थित श्री हनुमान मंदिर में श्रद्धा,भक्ति एवं उत्साह के साथ हनुमान चालीसा पाठ एवं भव्य महाआरती का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्री हनुमान जी का पूजन-अर्चन किया तथा धर्म एवं राष्ट्र की उन्नति की कामना की।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता क्षेत्रीय संयोजक विश्ववर्द्धन भट्ट ने कहा कि भगवान श्री हनुमान शक्ति, भक्ति, सेवा, समर्पण एवं निर्भीकता के अद्वितीय प्रतीक हैं । उनका जीवन धर्म की रक्षा, राष्ट्र सेवा, गुरु एवं प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट निष्ठा तथा समाजहित में सदैव तत्पर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने आह्वान करते हुए युवाओं से कहा कि वे श्री हनुमान जी के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात कर चरित्रवान, संस्कारवान एवं राष्ट्रभक्त बनें। उन्होंने आगे कहा कि विश्व हिन्दू परिषद एवं बजरंग दल के साप्ताहिक मिलन केंद्रों का उद्देश्य समाज में संगठन, संस्कार, सेवा एवं सुरक्षा की भावना को सुदृढ़ करना तथा युवाओं को धर्म एवं राष्ट्र के प्रति जागरूक कर संगठित करना है। कार्यक्रम का समापन सामूहिक महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ हुआ।

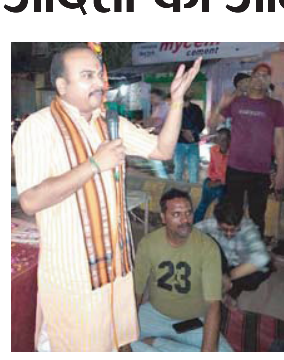

इस अवसर पर मनोज रजक, रविराज लुडेले, दीपक माझी, नीरज उचिया, दीपक यादव,नरेंद्र यादव, मनोज विश्वकर्मा, देव गोडीय,सोनू गोडीय,रवि रजक, लाला राजपूत, लक्ष्य मराठा, लखन रजक, गौरव चौहान, जितेंद्र पाल, देवेंद्र कुशवाह, हितेश रजक, राकेश सविता, चिराग वर्मा, रचित वर्मा, शिवा कुशवाह, करमवीर जाटव,अरविन्द राजपूत,सत्यम प्रजापति,बंटू रजक, श्याम रजक, जीतू कुशवाह,रिंकू मंडेलिया, बबलू बाथम आदि उपस्थित रहे।

इनर व्हील क्लब ऑफ ग्वालियर महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा पर देगा जोर

नए पदाधिकारियों ने ली शपथ

नगर संवाददाता ■ ग्वालियर

इनर व्हील क्लब ऑफ ग्वालियर न्यू जेन की वर्ष 2026-27 की प्रथम सामान्य सभा 'मानसून मोमेंट्स' थीम पर एक होटल में आयोजित हुई। कार्यक्रम में नए सत्र की शुरुआत सेवा, नेतृत्व और सामाजिक सरोकारों के संकल्प के साथ की गई। सभा का मुख्य आकर्षण नवगठित कार्यकारिणी का पदस्थापन समारोह रहा। निवर्तमान अध्यक्ष करिश्मा मेहता ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष हर्षिता गर्ग को पदभार सौंपा। निकिता मंगल ने सचिव, निलांक्षा जैन ने कोषाध्यक्ष, शिखा दानी ने आईएसओ, डॉ. अदिति गुप्ता ने क्लब कॉरेस्पॉन्डेंट, अंकिता शिवहरे ने उपाध्यक्ष तथा अदिति शाह, भूमिका जैन, तन्वी जैन, मेघा जैन, रश्मि अग्रवाल और शिवांगी मित्तल ने कार्यकारिणी सदस्य के रूप में जिम्मेदारी संभाली। नवाध्यक्ष हर्षिता गर्ग ने आगामी सेवा परियोजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ्य, शिक्षा और सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने की बात कही। सचिव निकिता मंगल ने क्लब की अब तक की गतिविधियों का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा आगामी प्रकल्पों पर चर्चा हुई। कार्यक्रम में मनोरंजक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। अंत में जुलाई माह में जन्मदिन वाले सदस्यों का केक काटकर सम्मान किया गया।

दवा ही नहीं, अब समंदर भी कर रहा है मेंटल हेल्थ का इलाज...!

समझें कैसे डिप्रेशन की संजीवनी है 'ब्लू स्पेस थैरेपी'

विश्व स्वास्थ्य संगठन की भाषा में मेंटल हेल्थ को समझें तो एक मानसिक रूप से सेहतमंद इंसान अपनी क्षमता को जानता है, रोजाना के तनाव को झेल सकता है और प्रोडक्टिविटी के साथ काम भी कर सकता है। पर लोगों की मानसिक स्थिति दिन-ब-दिन कमजोरी होती जा रही है, तभी तो इन दिनों ब्लू स्पेस जैसी थैरेपी भी दवा की तरह काम कर रही हैं। आइए जानते हैं आखिर क्या है ब्लू स्पेस थैरेपी और क्यों इसे मेंटल हेल्थ से जोड़कर देखा जा रहा है।

क्या है ब्लू स्पेस थैरेपी ?

मेंटल हेल्थ से जुड़े मामले डिजिटल दौर में तेजी से बढ़ रहे हैं, इससे पहले तो किसी ने डिप्रेशन, अकेलेपन और एंग्जायटी जैसी बीमारियों के नाम सुने भी नहीं थे। लेकिन अब हर कोई इन नामों को जानने के साथ-साथ इनके बुरे अनुभव से भी गुजर रहा है। इसी वजह से ब्लू स्पेस थैरेपी ट्रेंड में है जिसके नाम से थोड़ा बहुत आयडिया तो लग ही गया होगा। यहां ब्लू स्पेस से मतलब पानी से जुड़ी चीजों से है, जैसे- झील, नदी और समंदर।

कई रिपोर्ट्स में यह बात निकलकर सामने आई है कि ब्लू स्पेस के ज्यादा संपर्क में रहने से मेंटल हेल्थ अच्छी रहती है। रिपोर्ट्स तो यह भी बताती है कि तटीय इलाकों में रहने वाले और वहां जाने वाले लोगों में साइकोलॉजिकल डिस्ट्रेस यानी मेंटल हेल्थ से जुड़ी परेशानियां बहुत कम देखी गई।

किताब ने भी किया साबित

साल 2014 में मरीन बायोलॉजिस्ट वालेस जे. निकोलस की किताब ब्लू माइंड आई थी, इस किताब में भी यह साबित किया गया था कि पानी के आसपास रहने से स्ट्रेस हॉर्मोन कोर्टिसोल कम होता है और व्यक्ति खुद को लेकर पॉजिटिव महसूस करने लगता है।

पानी के अंदर थेरेपी

वैसे तो ब्लू स्पेस थैरेपी पानी के आसपास रहने से दिखने वाले पॉजिटिव बदलावों की बात करती है, पर अब इसके फायदों को देखते हुए पानी के अंदर भी इस थैरेपी को दिया जाने लगा है। विदेशों में डिप्रेशन, ट्रॉमा और नशे की लत जैसी दिक्कतों को दूर करने के लिए स्कूबा और फ्री-डाइविंग, वेटलेसनेस के अनुभव, ब्रीदवर्क के साथ मेडिटेशन जैसी थैरेपी लोगों को दी जा रही हैं। इसमें वेटलेसनेस का एहसास सबसे खास है जो नर्वस और ब्रेन सिस्टम को दोबारा से रेगुलेट करने में मदद करता है।

क्या गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने से सच में घटता है वजन...?

आजकल वजन घटाने के लिए लोग कई घरेलू नुस्खों का सहारा लेते हैं, जिनमें गर्म पानी में शहद मिलाकर पीना सबसे ज्यादा लोकप्रिय माना जाता है। सोशल मीडिया से लेकर हेल्थ ब्लॉग्स तक यह दावा अक्सर किया जाता है कि सुबह खाली पेट गुनगुने पानी में शहद मिलाकर पीने से तेजी से फैट बर्न होता है और वजन कम होने लगता है।

यही वजह है कि लाखों लोग बिना किसी वैज्ञानिक जानकारी के इस आदत को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लेते हैं। लेकिन क्या वास्तव में शहद और गर्म पानी का यह मिश्रण वजन घटाने में कारगर है, या यह सिर्फ एक मिथक है? क्या इसे पीने से शरीर का मेटाबॉलिज्म बढ़ता है या इसका फायदा केवल सीमित होता है? अगर आप भी इस सवाल का जवाब जानना चाहते हैं, तो हम वैज्ञानिक तथ्यों, एक्सपर्ट्स की राय और इससे जुड़े फायदे व सावधानियों के बारे में विस्तार से बताएंगे।

क्या कहता है विज्ञान ?

अब तक ऐसा कोई मजबूत वैज्ञानिक प्रमाण नहीं मिला है जो यह साबित करे कि सिर्फ गर्म पानी में शहद मिलाकर पीने से वजन तेजी से कम हो जाता है। वजन घटाने का सबसे बड़ा आधार कैलोरी डेफिसिट है, यानी जितनी कैलोरी आप खाते हैं उससे अधिक कैलोरी खर्च करना।

शहद में भी होती है कैलोरी

कई लोग शहद को पूरी तरह 'शुगर-फ्री' समझते हैं, जबकि ऐसा नहीं है। शहद में प्राकृतिक शर्करा होती है। लगभग एक बड़े चम्मच शहद में 60-65 कैलोरी होती हैं। यदि इसका अधिक मात्रा में सेवन किया जाए तो वजन घटने की बजाय बढ़ भी सकता है।

गर्म पानी कैसे मदद कर सकता है?

गुनगुना पानी पीने से शरीर हाइड्रेट रहता है और कुछ लोगों को लंबे समय तक पेट भरा हुआ महसूस हो

सकता है। इससे अनावश्यक स्नैकिंग कम हो सकती है। हालांकि, गर्म पानी अपने आप फैट नहीं पिघलाता।

शहद चीनी का बेहतर विकल्प हो सकता है

अगर आप रिफाइंड शुगर की जगह सीमित मात्रा में शहद का इस्तेमाल करते हैं, तो यह बेहतर विकल्प हो सकता है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि शहद असीमित मात्रा में खाने से वजन कम होगा।

वजन घटाने के लिए क्या जरूरी

- संतुलित, कैलोरी नियंत्रित आहार
- रोजाना एक्सरसाइज
- पर्याप्त प्रोटीन का सेवन
- 7-8 घंटे की नींद
- तनाव को नियंत्रित रखना
- पर्याप्त पानी पीना

सावधानी

- डायबिटीज के मरीज बिना डॉक्टर की सलाह के शहद का नियमित सेवन न करें।
- एक साल से कम उम्र के बच्चों को शहद नहीं देना चाहिए।

रोज सुबह 2 चम्मच अलसी खाने की डाल लें आदत

दिल से लेकर पेट तक... शरीर बन जाएगा फौलाद

आज की भागदौड़ भरी लाइफस्टाइल में सही खानपान ही सबसे बड़ा फिटनेस मंत्र है। हम अक्सर महंगे सप्लीमेंट्स और दवाओं पर भरोसा कर लेते हैं, जबकि हमारी रसोई में ही कई ऐसे सुपरफूड मौजूद हैं जो प्राकृतिक रूप से शरीर को मजबूत बनाते हैं। अलसी उन्हीं में से एक है।

अगर आप डेली सिर्फ दो चम्मच पिसी हुई अलसी का सेवन करते हैं, तो यह आपकी पूरी हेल्थ को बेहतर बनाने के साथ कई गंभीर बीमारियों से भी बचाव करती है। अलसी फाइबर, ओमेगा-3 फैटी एसिड, प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन और एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होती है, जो शरीर को अंदर से पोषण देती है। आइए जानते हैं इनके फायदों और ये कैसे काम करता है इसके बारे में।

रोज अलसी खाने के फायदे

- **दिल को रखे मजबूत** अलसी में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड बैड कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है और गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। इससे हार्ट अटैक, हाई ब्लड प्रेशर और स्ट्रोक का खतरा कम होता है। नियमित रूप से इसे खाने से ब्लड सर्कुलेशन बेहतर रहता है।
- **पाचन तंत्र को बनाए दुरुस्त-** पिसी हुई अलसी में भरपूर डाइटरी फाइबर होता है, जो कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी समस्याओं से राहत दिलाता है। यह आंतों की सफाई करता है और मेटाबॉलिज्म को एक्टिव बनाए रखता है।
- **वजन घटाने में सहायक** अगर आप वेट लॉस करना चाहते हैं तो अलसी आपके लिए बहुत फायदेमंद है। फाइबर पेट को लंबे समय तक भरा रखता है, जिससे ओवर ईटिंग नहीं होती। साथ ही फैट बर्निंग प्रोसेस को सपोर्ट करता है।
- **शुगर लेवल कंट्रोल में मददगार-** अलसी ब्लड शुगर को धीरे-धीरे बढ़ने देती है, जिससे डायबिटीज के मरीजों को लाभ मिलता है। यह इंसुलिन सेंसिटिविटी को भी बेहतर बनाती है।
- **इम्युनिटी बढ़ाए और सूजन कम करें-** अलसी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स और ओमेगा-3 शरीर की सूजन को कम करते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं, जिससे बार-बार होने वाली बीमारियों से बचाव होता है।
- **त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद-** अलसी का नियमित इस्तेमाल स्किन को ग्लोइंग बनाता है, ड्राइनेस कम करता है और एजिंग साइन को धीमा करता है। बालों की जड़ों को मजबूती मिलती है और हेयर फॉल कम होता है।

बारिश के मौसम में बार-बार हो जाता है सर्दी-जुकाम तो इंफेक्शन से बचाएगा नीम

मानसून में जगह-जगह जल भराव व गंदगी की वजह से लोगों को बैक्टीरियल और फंगल इंफेक्शन होने का जोखिम बढ़ जाता है। ऐसे मौसम में बाहरी इंफेक्शन से खुद को सुरक्षित रखने के लिए आप आयुर्वेदिक उपाय के तौर पर नीम का सेवन कर सकते हैं। यह कमजोर इम्यूनिटी को मजबूत करने और आपको इंफेक्शन से बचाने में मदद करती है।

बारिश का मौसम अपने साथ हरियाली तो लाता है, लेकिन यही मौसम बैक्टीरिया, वायरस और फंगस के तेजी से बढ़ने का भी समय होता है। मौसम बदलने के दौरान हमारे शरीर में दोषों (वात, कफ व पित्त) का स्तर ऊपर-नीचे होता रहता है, जिससे इम्यूनिटी कमजोर हो जाती है। आयुर्वेद के अनुसार, मानसून के मौसम में शरीर में पित्त दोष स्वाभाविक रूप से जमा होने लगता है और जठराग्नि (पाचन शक्ति) धीमी पड़ जाती है। ऐसे में डॉ. राजेश बयारी (एमडी, चित्रकूट आयुर्वेद चिकित्सालय, कुंडपुरा) बताते हैं कि आप इस मौसम में नीम का सेवन कर सकते हैं। नीम का स्वाद कड़वा होता है और इसकी तासीर ठंडी होती है, इसलिए आयुर्वेद में इसे रक्तशोधक और बढ़े हुए पित्त व कफ दोषों को संतुलित करने के लिए एक रामबाण उपाय माना जाता है।

मौसम बदलने पर नीम खाने के बारे में आयुर्वेद क्या कहता है ?

आयुर्वेद के अनुसार ऋतु परिवर्तन के दौरान शरीर में दोषों का संतुलन बिगड़ सकता है। मानसून में विशेष रूप से पाचन शक्ति (अग्नि) कमजोर होने लगती है। साथ ही, पित्त दोष प्रभावित हो सकते हैं। इस समय नीम जैसी कड़वी औषधियों का सीमित मात्रा में सेवन शरीर को संतुलित रखने में सहायक माना जाता है। आयुर्वेदिक ग्रंथों में नीम को रक्तशोधक, कृमिनाशक (पेट के कीड़े मारने वाले), त्वचा हितकारी और रोग प्रतिरोधक क्षमता को सहयोग देने वाला पौधा बताया गया है। हालांकि इसका सेवन व्यक्ति की प्रकृति और स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार होना चाहिए।

आधुनिक रिसर्च नीम के बायोएक्टिव कंपाउंड्स के बारे में क्या कहती है ?

वहीं दूसरी ओर, आधुनिक मेडिकल रिसर्च के अनुसार नीम में बायोएक्टिव कंपाउंड्स, जैसे कि निम्बिडिन, अजादिराक्टिन और निम्बिन पाए जाते हैं। इन कंपाउंड्स में बेहतरीन एंटीमाइक्रोबियल और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं, जो शरीर को मानसून के दौरान होने वाले इन्फेक्शन से लड़ने में मदद करते हैं।

मानसून में नीम खाने के क्या फायदे होते हैं ?

इम्यूनिटी बढ़ाए

बारिश के मौसम में होने वाले मौसमी संक्रामक बुखार से लड़ने के लिए नीम व्हाइट ब्लड सेल्स को सक्रिय करता है और पूरे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। नीम में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट और बायोएक्टिव कंपाउंड्स शरीर की प्राकृतिक प्रतिरक्षा प्रणाली के कार्य को सहयोग दे सकते हैं।

त्वचा की समस्याओं से राहत

इस मौसम में हवा में नमी ज्यादा होने के कारण मुंहासे, एलर्जी, खुजली और त्वचा की अन्य बीमारियां बढ़ जाती हैं। नीम खून को साफ करता है और त्वचा को अंदर से प्राकृतिक चमक देता है। यही वजह है कि स्किन की परेशानियों में आयुर्वेद में नीम का पाउडर लेने की सलाह दी जाती है।

हानिकारक बैक्टीरिया और फंगस को रोके

मानसून के दिनों में उमस के कारण फंगस और बैक्टीरिया पनपने का जोखिम अधिक होता है। लेकिन, जो लोग बरसात में नीम का सेवन करते हैं उनको सूजन और फंगल इंफेक्शन का खतरा कम होता है। साथ ही, नीम में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबियल गुण फंगल और बैक्टीरियल संक्रमण को रोकने में भी मदद करते हैं।

पाचन तंत्र में करें सुधार

मानसून में दूषित भोजन और पानी के कारण पेट संबंधी परेशानियां बढ़ सकती हैं। आयुर्वेद के अनुसार नीम का सीमित सेवन पाचन शक्ति को सहयोग देने और कृमियों (आंतों के कीड़े) के जोखिम को कम करने में उपयोगी मानी गई है। यही वजह है कि पहले के समय में पेट से जुड़ी समस्या में नीम का सेवन किया जाता था।

मानसून में नीम का सेवन किस तरह से करें?

मानसून के दौरान, आप रोज सुबह खाली पेट नीम की तीन से चार कोमल पत्तियां चबा सकते हैं या सीमित मात्रा में इसका रस पी सकते हैं। यह आपको मौसमी बीमारियों से बचाने के लिए एक प्राकृतिक सुरक्षा कवच का काम करता है।

आयुर्वेद के अनुसार मानसून में नीम का सीमित और सही तरीके से सेवन करने से मौसम में हुए बदलाव का असर शरीर पर कम पड़ता है। आधुनिक वैज्ञानिक शोध भी इसके एंटीऑक्सीडेंट, एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल गुणों की पुष्टि करते हैं, लेकिन अधिकांश साक्ष्य अभी प्रयोगशाला और प्रारंभिक अध्ययनों पर आधारित हैं। इसलिए नीम को किसी बीमारी के इलाज के रूप में नहीं, बल्कि संतुलित आहार और स्वस्थ जीवनशैली के पूरक के रूप में ही अपनाना चाहिए।

सिर्फ गलत सोने की पोजिशन नहीं, दिनभर की ये छोटी गलतियां बिगाड़ रही हैं आपका पोश्चर

आजकल कमर दर्द, गर्दन जकड़न और झुके हुए कंधे सिर्फ गलत सोने की पोजिशन की वजह से नहीं होते, बल्कि दिनभर की हमारी छोटी-छोटी आदतें भी रीढ़ की हड्डी के पोश्चर को बिगाड़ देती हैं। अगर समय रहते इन गलतियों को न सुधारा जाए तो भविष्य में स्लिप डिस्क, सर्वाइकल पेन, कमर दर्द और चलने-फिरने में परेशानी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए सिर्फ सही तरीके से सोना ही नहीं, बल्कि पूरे दिन सही पोश्चर बनाए रखना भी बेहद जरूरी है। आइए जानते हैं वे आम गलतियां जो आपकी रीढ़ की सेहत को नुकसान पहुंचा रही हैं।

किन गलतियों की वजह से बिगड़ रहा है बॉडी पोश्चर ?

- **लंबे समय तक गलत तरीके से बैठना-** ऑफिस, स्टडी या मोबाइल इस्तेमाल करते समय लोग अक्सर कुर्सी पर झुककर बैठते हैं। पीठ को सपोर्ट न मिलना, कमर झुकाकर बैठना और स्क्रीन की ओर गर्दन झुकाना स्पाइन पर एक्स्ट्रा प्रेशर डालता है। इससे रीढ़ का नेचुरल कर्व बिगड़ने लगता है और धीरे-धीरे दर्द की समस्या बढ़ जाती है।
- **मोबाइल और लैपटॉप का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल-** लगातार गर्दन झुकाकर फोन देखने से 'टेक नेक' की समस्या बढ़ रही है। इससे गर्दन की हड्डियों पर दबाव पड़ता है और पोश्चर बिगड़ता है। लैपटॉप को आंखों के लेवल से नीचे रखकर काम करना भी रीढ़ के लिए नुकसानदायक है।
- **गलत तरीके से वजन उठाना** झुककर भारी सामान उठाना या अचानक झटका देना कमर की हड्डियों को नुकसान पहुंचा सकता है। सही तरीका यह है कि घुटनों को मोड़कर, पीठ सीधी रखते हुए वजन उठाया जाए।
- **एक कंधे पर भारी बैग टांगना** स्कूल बैग, ऑफिस बैग या पर्स को हमेशा एक ही कंधे पर टांगने से शरीर का बैलेंस बिगड़ता है। इससे रीढ़ एक तरफ झुकने लगती है और असमान दबाव पड़ता है, जिससे दर्द और टेढ़ापन आ सकता है।

सही पोश्चर के लिए जरूरी टिप्स

- कुर्सी पर बैठते समय पीठ सीधी रखें और कमर को सपोर्ट दें।
- मोबाइल आंखों के लेवल पर रखें।
- हर 30-40 मिनट में स्ट्रेचिंग करें।
- रोजाना हल्की एक्सरसाइज और योग करें।
- वजन उठाते समय सही तकनीक का पालन करें।

अगर आप दिनभर की इन गलतियों को सुधार लें और सही आदतें अपनाएं, तो रीढ़ की हड्डी स्वस्थ रहेगी, दर्द से राहत मिलेगी और आपका पोश्चर लंबे समय तक सही बना रहेगा।

एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026

भारतीय टीम घोषित, हरमनप्रीत होंगे कप्तान

एजेंसी, नई दिल्ली

हॉकी इंडिया ने एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप बेल्जियम एवं नीदरलैंड्स 2026 के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी। अनुभवी डिफेंडर और ड्रैग-फ्लिक विशेषज्ञ हरमनप्रीत सिंह टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह टीम में अनुभव की अहम भूमिका निभाएंगे। विश्व कप का आयोजन 15 से 30 अगस्त 2026 तक बेल्जियम और नीदरलैंड्स में होगा। भारत को पूल डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारतीय टीम अपने सभी लीग मुकाबले नीदरलैंड्स के एम्स्टलवीन में खेलेगी। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर संतोष जताते हुए कहा, यह एक संतुलित टीम है। इसमें बड़े टूर्नामेंट का अनुभव रखने वाले खिलाड़ियों के साथ शानदार फॉर्म में चल रहे युवा खिलाड़ियों का बेहतरीन मिश्रण है। इन युवाओं ने अपनी प्रतिष्ठा नहीं, बल्कि प्रदर्शन के दम पर टीम में जगह बनाई है।

भारत अपने अभियान की शुरुआत 15 अगस्त को वेल्स के खिलाफ करेगा। इसके बाद 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से मुकाबला होगा। भारत-पाकिस्तान मैच पूल चरण का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला माना जा रहा है। फुल्टन ने कहा, 'प्रेस, काउंटर और प्रदर्शन' केवल हमारी रणनीति नहीं है, बल्कि यही इस टीम की सोच और प्रशिक्षण का आधार भी है। हम फिलहाल बहुत आगे नहीं सोच रहे हैं। हमारा लक्ष्य एक समय में एक मैच पर पूरा ध्यान देना है और हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ देना है। उन्होंने आगे कहा, 1975 में भारत ने विश्व कप जीता था। उस ऐतिहासिक उपलब्धि के 50 साल बाद इस टीम के पास भारतीय हॉकी के इतिहास में अपना नया अध्याय लिखने का अवसर है और इसे लेकर हम सभी बेहद उत्साहित हैं।

भारतीय टीम

- **गोलकीपर :** मोहित एचएस, सूरज करकेरा
- **डिफेंडर :** जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच
- **मिडफील्डर :** मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह, विवेक सागर प्रसाद, नीलकांत शर्मा, राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालगे
- **फॉरवर्ड :** मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा।

फीफा विश्व कप 2026 के बाद नई रैंकिंग जारी

स्पेन बना नंबर-1, अर्जेंटीना दूसरे स्थान पर खिसका

- स्पेन ने फाइनल में अर्जेंटीना को अविरिक्त समय में 1-0 से हराकर छह महीने बाद फिर से शीर्ष स्थान हासिल किया।
- फेरान टोरेंस के विजयी गोल से स्पेन ने जीता अपना दूसरा पुरुष विश्व कप खिताब।
- स्पेन पुरुष और महिला दोनों फीफा रैंकिंग में शीर्ष पर, महिला टीम भी वर्तमान विश्व चैंपियन।
- अर्जेंटीना एक स्थान नीचे खिसककर दूसरे नंबर पर, फ्रांस तीसरे और इंग्लैंड चौथे स्थान पर बरकरार।

रैंकिंग में बड़े बदलाव

- ब्राजील एक स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष-5 में वापसी, अब पांचवें स्थान पर।
- पुर्तगाल दो स्थान फिसलकर सातवें नंबर पर, स्पेन से हार का पड़ा असर।
- जर्मनी दो स्थान नीचे खिसककर 12वें स्थान पर, राउंड ऑफ-32 में पैराग्वे से हार का असर।

मेजबान देशों में मेक्सिको की छलांग

मेक्सिको चार स्थान ऊपर चढ़कर 10वें नंबर पर पहुंचा। प्री-क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय किया।

फ़ीफा पुरुष रैंकिंग (विश्व कप 2026 के बाद शीर्ष-10)

1.	स्पेन	6.	मोरक्को
2.	अर्जेंटीना	7.	पुर्तगाल
3.	फ्रांस	8.	बेल्जियम
4.	इंग्लैंड	9.	नीदरलैंड्स
5.	ब्राजील	10.	मेक्सिको

जून रैंकिंग चक्र में कुल 105 अंतराष्ट्रीय मैच खेले गए, जिनमें से 104 मुकाबले फीफा विश्व कप 2026 के थे। टूर्नामेंट का आयोजन अमेरिका, कनाडा और मेक्सिको में हुआ।

घुटने की चोट के कारण द हंड्रेड से बाहर हुए जैकब

लंदन। इंग्लैंड के युवा ऑलराउंडर जैकब बेथेल घुटने की चोट के कारण द हंड्रेड 2026 से बाहर हो गए हैं। बेथेल इस बार बर्मिंघम फीनिक्स की कप्तानी करने वाले थे, लेकिन चोट के चलते अब वह टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएंगे। इसके साथ ही अगस्त में पाकिस्तान के खिलाफ होने वाली इंग्लैंड की टेस्ट सीरीज में उनका खेलना भी संदेह के घेरे में आ गया है। बर्मिंघम फीनिक्स की ओर से जारी बयान में कहा गया, ₹22 वर्षीय जैकब बेथेल इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) की मेडिकल टीम की निगरानी में अपना पुनर्वास कार्यक्रम जारी रखेंगे। आने वाले कुछ सप्ताह वह पूरी तरह फिट होने पर ध्यान देंगे।

रोहित, विराट के समर्थन में उतरे आर अश्विन

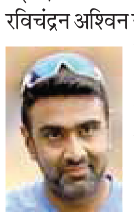

नई दिल्ली। भारत के पूर्व ऑफ-स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली के भविष्य को लेकर नई अटकलों के बीच उनका साथ दिया है। उन्होंने कहा कि दोनों अनुभवी खिलाड़ियों ने यह तय करने का अधिकार हासिल किया है कि वे कब इंटरनेशनल क्रिकेट से दूर रहना चाहते हैं। लॉर्ड्स में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे वनडे में रोहित की सेंचुरी के बाद अपने यूट्यूब चैनल पर बात करते हुए, अश्विन ने कहा कि रोहित और कोहली जैसे कद के खिलाड़ियों को दूसरों की तरह जज नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि उन्होंने भारतीय क्रिकेट के लिए क्या हासिल किया है। अश्विन ने कहा, अगर वे खेलना चाहते हैं तो वे विराट और रोहित को छू नहीं सकते।

एचएस प्रणय और देविका सिहाग पहले राउंड में बाहर

चांगझाऊ। भारतीय शटलरों की चाइना ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में निराशाजनक शुरुआत हुई, जब एचएस प्रणय और देविका सिहाग दोनों मंगलवार को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के चांगझाऊ में पहले राउंड में ही बाहर हो गए। ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में मुकाबला कर रहे एचएस प्रणय, जो पुरुषों की सिंगल्स बैडमिंटन रैंकिंग में 36वें स्थान पर हैं, मलेशिया के दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी लियोंग जुन हाओ से 21-10, 21-14 से हार गए। एचएस प्रणय का पहले राउंड में बाहर होना 2026 में उनके निराशाजनक प्रदर्शन को और बढ़ा देता है, एशियन गेम्स के मेडलिस्ट इस सीज़न में खेले गए आठ टूर्नामेंट में से किसी में भी दूसरे राउंड से आगे नहीं बढ़ पाए हैं।

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का कॉन्ट्रैक्ट अगस्त में खत्म, एसोसिएट पार्टनर के लिए भी बिड मांगी

बीसीसीआई ने घरेलू-अंतर्राष्ट्रीय मैचों की टाइटल स्पॉन्सरशिप टेंडर निकाला

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट और भारत में खेले जाने वाले इंटरनेशनल मैचों के टाइटल स्पॉन्सरशिप राइट्स के लिए टेंडर जारी किया है। मौजूदा स्पॉन्सर आईडीएफसी फर्स्ट बैंक का तीन साल का करार अगस्त 2026 में खत्म हो रहा है। बोर्ड ने एसोसिएट पार्टनर राइट्स के लिए भी आवेदन मांगे हैं। आईडीएफसी से पहले मास्टरकार्ड था टाइटल स्पॉन्सर आईडीएफसी से पहले टाइटल स्पॉन्सर का अधिकार मास्टरकार्ड के पास था। उसके बाद पेटीएम के पास था।

घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय मैच शामिल

चुनी गई कंपनी को भारत में होने वाले पुरुष और महिला टीमों के टेस्ट, वनडे और टी20 इंटरनेशनल मैचों के साथ रणजी ट्रॉफी, दलीप ट्रॉफी, ईरानी कप और जूनियर घरेलू टूर्नामेंटों के टाइटल स्पॉन्सरशिप अधिकार मिलेंगे।

4 अगस्त तक दस्तावेज, 13 अगस्त तक बिड

टेंडर पेपर खरीदने के लिए 1 लाख रुपए (जीएसटी अलग) की नॉन-रिफंडेबल फीस तय की गई है। टेंडर पेपर खरीदने की अंतिम तारीख 4 अगस्त और बिड जमा करने की आखिरी तारीख 13 अगस्त है।

2023 में आईडीएफसी फर्स्ट बैंक से हुई थी डील

आईडीएफसी फर्स्ट बैंक ने सितंबर 2023 में बीसीसीआई के साथ तीन साल का करार किया था, जिसकी अवधि अगस्त 2026 में पूरी होगी। इसके बाद बोर्ड नए टाइटल स्पॉन्सर का चयन करेगा।

एसोसिएट पार्टनर के लिए भी आवेदन

बीसीसीआई ने एसोसिएट पार्टनर राइट्स के लिए भी बोली मंगाई है। टेंडर पेपर 14 अगस्त तक खरीदे जा सकेंगे, 16 अगस्त तक स्पष्टीकरण मांगा जा सकेगा और 25 अगस्त तक कोटेशन जमा किए जा सकेंगे।

केवल फीस जमा करने से एलिजिबिलिटी नहीं

बीसीसीआई ने स्पष्ट किया है कि सिर्फ टेंडर की फीस जमा करने से कोई कंपनी टेंडर प्रक्रिया में शामिल नहीं हो सकेगी। बोर्ड की सभी शर्तें पूरी करने वाली कंपनियों को ही इसमें शामिल होने की अनुमति मिलेगी।

सिंधु ने वापसी का श्रेय विराट को दिया

लिखा- वे मिले और कुछ समझाया, इससे नजरिया बदला, 2 साल बाद टूर्नामेंट जीता

एजेंसी, नई दिल्ली

2 बार की ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने अपनी दमदार वापसी का क्रेडिट भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली को दिया है। उन्होंने 2 दिन पहले शनिवार को जापान ओपन सुपर-750 का खिताब जीता। सिंधु ने करीब 2 साल बाद कोई खिताब जीता था। इससे पहले वे करियर के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रही थीं। 31 साल की पीवी सिंधु ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने कमबैक में कोहली की भूमिका का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि करियर के सबसे मुश्किल दौर में उन्होंने विराट से सलाह ली थी और उनकी एक सीख ने पूरी सोच बदल दी।

सिंधु ने कहा कि उस मुलाकात में हुई बातचीत निजी रहेगी, लेकिन विराट की सबसे बड़ी सीख थी कि ट्रॉफी के पीछे भागने के बजाय खेल में दोबारा खुशी तलाशनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अब वह सुबह 5:30 बजे अभ्यास के लिए ट्रॉफी जीतने नहीं, बल्कि खेल के प्रति अपने जुनून की वजह से उठती हैं।

सिंधु की 2 बातें

- सिंधु ने लिखा- मैंने लगातार चोटों, खराब प्रदर्शन और मानसिक दबाव के बीच विराट कोहली से संपर्क किया। कोहली ने कुछ ही मिनटों में जवाब दिया और अगले दिन उनसे मुलाकात की। इस दौरान उनके पति वेंकट दत्ता साई भी मौजूद थे।
- सिंधु ने कहा- 'चोट के दौरान कई बार आत्मविश्वास डगमगाया, लेकिन मैंने खुद पर भरोसा नहीं खोया। जापान ओपन का यह खिताब केवल एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि इस बात का सबूत है कि मेरा सफर अभी खत्म नहीं हुआ है।'

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम घोषित, कमिंस, हेजलवुड और लियोन की वापसी

एजेंसी, मेलबर्न

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को अगस्त में बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और अनुभवी स्पिनर नाथन लियोन की चोट के बाद टीम में वापसी हुई है, जिससे ऑस्ट्रेलियाई टीम को बड़ी मजबूती मिली है। हेजलवुड एशेज सीरीज के दौरान हैमस्ट्रिंग चोट से उबरते समय अकिलिस की चोट के कारण पूरी श्रृंखला से बाहर रहे थे। वहीं लियोन एडिलेड टेस्ट में हैमस्ट्रिंग चोट के बाद सर्जरी कराने के कारण लंबे समय से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल पाए थे। दूसरी ओर, पैट कमिंस निचली पीठ की स्ट्रेस इंजरी से वापसी करते हुए केवल एडिलेड टेस्ट में खेले थे। ऑस्ट्रेलिया के एशेज बरकरार रखने के बाद एहतियात के तौर पर उन्हें अंतिम दो टेस्ट मैचों में आराम दिया गया था। कमिंस और हेजलवुड भारत और श्रीलंका में आयोजित टी20 विश्व कप से भी बाहर रहे थे, हालांकि दोनों ने अलग-अलग समय पर आईपीएल में वापसी की थी। लियोन ने एडिलेड टेस्ट के बाद अब तक कोई प्रतिस्पर्धी मुकाबला नहीं खेला है।

नेसर और डॉगेट बाहर

वरिष्ठ गेंदबाजों की वापसी के बाद एशेज में 15 विकेट लेने वाले माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट को टीम में जगह नहीं मिली है। हालांकि नेसर, डॉगेट और ऑफ स्पिनर टॉड मर्फी मुख्य टीम के साथ अभ्यास कर रहे हैं और जरूरत पड़ने पर उन्हें टीम में शामिल किया जा सकता है।

बांग्लादेश टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम : पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिशेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेबस्टर।

दोनों देशों के पास बराबर का मौका होगा : सिकंदर रजा

हरारे। ज़िम्बाब्वे के कप्तान सिकंदर रज़ा का मानना है कि भारत के खिलाफ आने वाली तीन मैचों की टी 20 सीरीज़ में मुकाबला बराबरी का होगा, उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि मेहमान टीम को टी 20 वर्ल्ड कप चैंपियन होने के बावजूद ज़्यादा फेवरेट नहीं माना जाना चाहिए। सीरीज़ गुरुवार को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में शुरू होगी, और तीनों मैच एक ही जगह पर खेले जाएंगे। भारत व्हाइट-बॉल क्रिकेट में मुश्किल दौर के बाद इस सीरीज़ में उतर रहा है। नए टी20 कप्तान श्रेयस अय्यर की लीडरशिप में, उन्हें आयरलैंड से 2-0 से सीरीज़ हार का सामना करना पड़ा, जिसके बाद इंग्लैंड ने उन्हें 4-0 से हरा दिया।

क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 के चौथे एडिशन के पेनल्टीमेट राउंड

प्रणेश ने गुकेश को हराया, निहाल ने अर्जुन को मात दी

एजेंसी, चेन्नई

जीएम एम प्रणेश ने वर्ल्ड चैंपियन डी गुकेश को लगातार दूसरी हार दी, जबकि जीएम निहाल सरीन ने क्वांटबॉक्स चेन्नई ग्रैंड मास्टर्स 2026 के चौथे एडिशन के पेनल्टीमेट राउंड में हमवतन अर्जुन एरिगैसी को हराया, जो भारत का सबसे प्रतिष्ठित क्लासिकल टूर्नामेंट है। एरिगैसी की हार का मतलब है कि फ्रेंच जीएम अलीरेज़ा फिरोजा, जिन्होंने जीएम नोडिरबेक अब्दुसत्तोरोव के खिलाफ़ अपना राउंड 6 गेम ड्रॉ किया था, 4 पॉइंट्स के साथ अकेले आगे हैं। एरिगैसी और अब्दुसत्तोरोव 3.5 पॉइंट्स के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। चोला फ़ाउंडेशन के मैनेजिंग ट्रस्टी नरेंद्र कुमार और महिला ग्रैंड मास्टर आरती रामास्वामी के पहला सेरेमोनियल मूव करने के बाद, ऐसा लगा कि गुकेश आखिरकार जीत हासिल कर सकते हैं। लेकिन वर्ल्ड चैंपियन ने अपने कैलकुलेशन में एक से ज़्यादा बार गलती की और प्रणेश ने इन मौकों का पूरा फ़ायदा उठाते हुए 39 चालों में कॉम्पिटिशन में अपनी पहली जीत दर्ज की। एरिगैसी को फ़िरोज़ा के साथ जॉइंट लीड में बने रहने के लिए निहाल सरीन के ख़िलाफ़ सिर्फ़ ड्रॉ की ज़रूरत थी और उनके गेम के ज़्यादातर समय, यह नतीजा एक साफ़ संभावना लग रहा था। लेकिन निहाल के शानदार रूक सैक्रिफ़ाइस ने गेम को पूरी तरह से उनके पक्ष में कर दिया और एरिगैसी ने 60 मूव्स के बाद हार मान ली।

सीरीज जीतने से वेस्ट इंडीज़ के खिलाड़ियों को रैंकिंग में फायदा

दुबई। आयरलैंड पर सीरीज़ जीतने से वेस्ट इंडीज़ के व्हाइट-बॉल स्टार्स के एक ग्रुप को लेटेस्ट आईसीसी महिला वनडे प्लेयर रैंकिंग में शानदार तरक्की करने में मदद मिली है। कैरेबियाई टीम ने चल रही आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप के हिस्से के तौर पर आयरलैंड में 3-0 से सीरीज़ में शानदार जीत हासिल की, जिसमें कप्तान हेली मैथ्यूज़ ने एक बार फिर बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ चुना गया। मैथ्यूज़ ने तीनों मैचों में सीरीज़ के बेस्ट 265 रन बनाए और सात कीमती विकेट लेकर तीनों वनडे रैंकिंग कैटेगरी में टॉप 10 में अपनी जगह और पक्की कर ली, जबकि टीम की साथी स्टेफ़नी टेलर, आलिया एलेन, एफी फ्लेचर और डिएंड्रा डॉटिन को भी फ़ायदा हुआ।

कॉमनवेल्थ गेम्स में दमदार शुरुआत के लिए तैयार विशाल टीके, बोले-

देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ दूंगा

एजेंसी, मुंबई

भारतीय क्वार्टर-माइलर विशाल थेन्नारासु कयालविझी (विशाल टीके) ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में अपने पहले अभियान के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 22 वर्षीय विशाल इस सीजन शानदार प्रदर्शन के दम पर भारत के शीर्ष स्प्रिंट धावकों में अपनी पहचान बना चुके हैं। उन्होंने इसी वर्ष 400 मीटर दौड़ में 44.98 सेकेंड का समय निकालकर 45 सेकेंड का आंकड़ा तोड़ने वाले पहले भारतीय पुरुष एथलीट बनने का इतिहास रचा था। यह प्रदर्शन मौजूदा राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी है। चार बार के राष्ट्रीय चैंपियन विशाल ने हाल के वर्षों में एशियाई स्तर पर भी अपनी अलग पहचान बनाई है। उन्होंने एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत को मिक्स्ड 4x400 मीटर रिले में स्वर्ण और पुरुष 4x400 मीटर रिले में रजत पदक दिलाने में अहम भूमिका निभाई। विश्व रैंकिंग में शीर्ष-60 धावकों में शामिल विशाल अब कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत की सबसे बड़ी उम्मीदों में गिने जा रहे हैं।

कॉमनवेल्थ गेम्स में पदार्पण से पहले विशाल ने कहा, ₹मैं जीत की मानसिकता के साथ कॉमनवेल्थ गेम्स में उतर रहा हूं। कई महीनों की कड़ी मेहनत, ईमानदारी, अनुशासन, निरंतरता और आत्मविश्वास ने मुझे यहां तक पहुंचाया है। मुझे अपनी प्रक्रिया और अपने कोच जेसन डॉसन पर पूरा भरोसा है। मेरा लक्ष्य ट्रैक पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना है और हर सेकेंड को महत्वपूर्ण बनाना है। मैं अपनी क्षमताओं की कोई सीमा तय नहीं करता। हर प्रतियोगिता में खुद को बेहतर बनाने की कोशिश करता हूं।

विश्व कप फाइनल की हार के बाद भावुक हुए लियोनेल मेसी, बोले-

यह दर्द बहुत गहरा है

एजेंसी, नई दिल्ली

फीफा विश्व कप 2026 के फाइनल में स्पेन से अतिरिक्त समय में 0-1 की हार के एक दिन बाद अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने भावुक संदेश जारी करते हुए प्रशंसकों का आभार जताया। मेसी ने कहा कि इस हार का दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा, लेकिन टीम ने पूरे टूर्नामेंट में जो संघर्ष किया, उस पर उन्हें गर्व है। न्यू जर्सी में खेले गए फाइनल में स्पेन ने अतिरिक्त समय में अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर विश्व कप खिताब अपने नाम किया। मैच के बाद मेसी भावुक होकर रोते हुए नजर आए और उनके अंतरराष्ट्रीय भविष्य को लेकर भी अटकलें तेज हो गईं। इंस्टाग्राम पर स्पेनिश भाषा में लिखे अपने संदेश में मेसी ने कहा, ₹यह दर्द बहुत गहरा है और इस घाव को भरने में समय लगेगा। लेकिन मैं उन सभी अच्छे पलों को भी संजोकर रखूंगा... वे मुकाबले जिन्हें हमने वापसी करते हुए जीता, जिनमें हमने अपना सब कुछ झोंक दिया। वे पल हमेशा हमारी यादों में रहेंगे। पूरे देश का समर्थन, और इस टीम की मेहनत व समर्पण ने हमें एक बार फिर दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीमों में शामिल किया।

उन्होंने आगे कहा, ₹आप सभी का दिल की गहराइयों से धन्यवाद, जिन्होंने हमें शुभकामनाएं दीं और संदेश भेजे। एक बार फिर हम पूरे देश को एकजुट करने में सफल रहे और अर्जेंटीना होने के गर्व को साथ मिलकर महसूस किया। मेसी ने अपने संदेश में स्पेन को भी बधाई देते हुए कहा, ₹मैं स्पेन को भी इस चैंपियनशिप के लिए हार्दिक बधाई देना चाहता हूं। राष्ट्रीय टीम के लिए मेसी का शानदार योगदान इंटर मियामी के स्टार खिलाड़ी मेसी ने 2022 विश्व कप फाइनल में फ्रांस को हराकर अर्जेंटीना को विश्व चैंपियन बनाया था। इसके अलावा उन्होंने 2021 और 2024 में लगातार दो कोपा अमेरिका खिताब भी टीम को जिताए।

वर्ल्डकप फाइनल में प्लेयर्स की झड़प की जांच करेगा फीफा

दोषियों पर 3 मैच का प्रतिबंध संभव, स्पेन-अर्जेंटीना के खिलाड़ी भिड़े थे

फीफा ने फुटबॉल वर्ल्डकप फाइनल के बाद खिलाड़ियों की झड़प की जांच शुरू कर दी है। इसमें दोषी पाए जाने वाले खिलाड़ियों पर कम से कम तीन मैचों का प्रतिबंध लग सकता है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार डिसिप्लिन कमेटी ने डिसिप्लिनरी एंड एथिक्स प्रॉसीक्यूटर नियुक्त किया है, जो संभावित नियम उल्लंघन की जांच करेगा। न्यूयॉर्क के न्यू जर्सी स्टेडियम में स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराया। इसके बाद स्पेन के जश्न के दौरान अर्जेंटीना के लिएंड्रो परेडेस और थियागो अल्माडा, स्पेन के मिडफील्डर गावी से भिड़ गए। परेडेस पर एरिक गार्सिया की गर्दन पकड़ने का आरोप है। वहीं, नाहुएल मोलिना पर रोड्री की ओर मुक्का चलाने की कोशिश का आरोप है।

पोषण आहार घोटाला : नोटिस 62 को सिर्फ 37 अधिकारियों की ही हो रही जांच

- विधानसभा में उठा चार साल पुराने घोटाले का मामला
- विधायक प्रताप ग्रेवाल ने उठाया सवाल, मंत्री पटेल ने दिया जवाब

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश में वर्ष 2022 के चर्चित पोषण आहार घोटाले की जांच चार साल बाद भी पूरी नहीं हो पाई है। इतने सालों से केवल नोटिस और जांच तक ही खानापूर्ति हो रही है। सरकार दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई नहीं कर सकी। इसे पुराने मामले को लेकर कर मंगलवार को विधानसभा में जब सवाल उठा, तब पंचायत मंत्री प्रहलाद पटेल ने कहा कि इस घोटाले में 73 अधिकारियों को नोटिस दिया गया, लेकिन 37 के ही विभागीय जांच चल रहे हैं। शेष अधिकारियों के जवाबों का परीक्षण किया जा रहा है, जिसके बाद आगे की कार्रवाई तय होगी।

मंत्री पटेल, कांग्रेस विधायक प्रताप ग्रेवाल के लिखित प्रश्न के उत्तर दे रहे थे। उन्होंने बताया कि टेक होम राशन से जुड़ी सीएजी की आपत्तियों के आधार पर कुल 73 अधिकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की गई है। इनमें 11 प्रथम श्रेणी के जिला कार्यक्रम अधिकारी भी शामिल हैं। इनमें से अब तक 10 प्रकरणों का निस्तारण हो चुका है, जबकि छह मामलों में जांच पूरी होने के बावजूद अंतिम निर्णय लिया जाना बाकी है। आठ अधिकारियों के मामलों की फाइल शासन को भेजी गई है और 13 प्रकरणों में विभागीय जांच अभी भी जारी है।

लोकायुक्त जांच में 31 अगस्त को होंगी पेश

मंत्री ने बताया कि सीएजी रिपोर्ट को आधार मानकर पूर्व विधायक पारस सखलेचा ने जो शिकायत की है, उसकी लोकायुक्त संगठन जांच कर रहा है। इस मामले में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव दीपाली रस्तोगी 31 अगस्त को लोकायुक्त कार्यालय में उपस्थित होंगी। बत दें कि प्रदेश में वर्ष 2018-21 के दौरान आंगनबाड़ियों में पोषण आहार वितरण का कार्य मुख्य रूप से महिला एवं बाल विकास विभाग, राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन और मध्य प्रदेश एग्रो कंपनी के सहयोग से करता था।

11083 करोड़ रुपए का है पोषण आहार घोटाला

मध्य प्रदेश में पोषण आहार घोटाला 2018-2021 के बीच हुआ। इसका खुलासा 2022 में सीएजी की रिपोर्ट के बाद हुआ। नियंत्रक महालेखा परीक्षक सीएजी के अनुसार 1,1083 करोड़ रुपये का एक बड़ा भ्रष्ट्राचार है। इसमें कुपोषित बच्चों और महिलाओं के लिए आया राशन ट्रकों के बजाय मोटरसाइकिल और कार जैसे फर्जी वाहनों से ढोना दिखाया गया था। ऑडिट में सामने आया कि राशन के परिवहन में जिन वाहनों के नंबर इस्तेमाल किए गए। असल में वे मोटरसाइकिल, ऑटो, कार और टैंकर थे। कागजों में उन बच्चों और महिलाओं को राशन देना बताया गया, जिनकी उस अवधि में पंजीकरण तक नहीं हुआ था। बता दें कि सीएजी ने जांच में आठ जिलों के 49 आंगनबाड़ी केंद्रों का रिकॉर्ड खंगालने पर पाया कि महज तीन स्कूलों में छात्राओं का पंजीकरण होने के बावजूद, 29 हजार से ज्यादा लोगों को लाभ देने का दावा किया गया। ऐसे लाखों बच्चों के नाम पर करोड़ों का राशन बांटा गया, जो कभी स्कूल अथवा आंगनबाड़ी में गए ही नहीं थे।

अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन

भोपाल। दिल्ली से आगे साहिबाबाद स्टेशन पर हुई मालगाड़ी दुर्घटना के कारण उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने ट्रेनों के परिचालन व्यवस्था में आवश्यक परिवर्तन किया है। इस क्रम में भोपाल मंडल होकर जानेवाली ट्रेन 18238 अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस प्रारंभिक स्टेशन अमृतसर से प्रस्थान होकर गाजियाबाद-दिल्ली- नई दिल्ली- हजरत निजामुद्दीन मार्ग से आएगी। इसके कारण ये ट्रेन 22 जुलाई को भोपाल आने में विलंब हो सकती है।

माय भारत जिला सलाहकार एवं समन्वय समिति की समीक्षा बैठक आज

भोपाल। कलेक्टर प्रियंक मिश्रा की अध्यक्षता में माय भारत जिला सलाहकार एवं समन्वय समिति की समीक्षा बैठक 23 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभागार में सायं 4 बजे आयोजित की जाएगी। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों को अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

छात्रवृत्ति के इंतजार में 95 हजार छात्र, एक साल से अटका है हक

सीएम मेधावी योजनाः छात्र कर्ज लेकर चुकाई थी कॉलेजों की फीस

भोपाल (नगर संवाददाता)

उच्च शिक्षा में प्रदेश के कॉलेजों में इंजीनियरिंग, मेडिकल, लॉ और प्रबंधन की पढ़ाई करने वाले करीबन 95 हजार छात्रों को एक साल बाद भी छात्रवृत्ति नहीं मिली है। ये छात्र विभाग के चक्कर काटकर थक गए हैं। इनमें से करीबन 10 हजार राजधानी के छात्र भी शामिल है। कुछ छात्र के अभिभावक बैंक से कर्ज लेकर कॉलेजों की फीस चुकाया है।

जानकारी के अनुसार इनमें से कई छात्र ऐसे हैं, जिन्हें अगले सत्र की फीस जमा करनी है। चूंकि कॉलेजों में प्रवेश की अंतिम तारीखें नजदीक है। उनको इस अवधि में फीस भी जमा करनी है। इन छात्रों ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग में कब तक छात्रवृत्ति मिलेगी, इसका कोई जवाब किसी के पास नहीं मिल रहा है। भोपाल में इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने

आया छात्र रीवां के अतुल कुमार ने बताया कि छात्रवृत्ति मिल जाएं, तो वह बैंक से लिया लोन चुका देगा। बाकी राशि से अगले सेमीस्टर की फीस चुका देगा।

इतनी मिलती है छात्रवृति

मुख्यमंत्री मेधावी विद्यार्थी योजना, यह प्रदेश सरकार की सबसे प्रमुख योजना है। इसके तहत छात्रों की पूरी ट्यूशन फीस माफ कर दी जाती है, वही सरकारी इंजीनियरिंग/मेडिकल कॉलेजों में पूरी ट्यूशन फीस सरकार सीधे भरी जाती है। इसी तरह निजी इंजीनियरिंग कॉलेज, जहां कि अधिकतम 1.5 लाख प्रति वर्ष या वास्तविक फीस, जो भी कम हो, दी जाती है। निजी मेडिकल कॉलेज की ट्यूशन फीस भी सरकार वहन करती है। ये छात्रवृति उनको मिलती है, जो 12 वीं में अच्छे अंक लाते हैं। इन छात्रों के अभिभावकों की आय लगभग 6 लाख रुपए से कम है।

16वीं विधानसभा की दो वर्ष की उपलब्धियों पर विधान से जनकल्याण पुस्तक का विमोचन

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्य प्रदेश विधानसभा के 16वें कार्यकाल की दो वर्ष की उपलब्धियों और नवाचारों को समेटने वाली पुस्तक 'विधान से जनकल्याण 16वीं विधानसभा कार्यकाल के 2 वर्ष' का मंगलवार को विधानसभा परिसर में विमोचन किया गया।

पुस्तक का विमोचन विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर की उपस्थिति में पंचम विधानसभा के सदस्य एवं पूर्व मंत्री जसवंत सिंह तथा नवम विधानसभा के सदस्य एवं पूर्व विधायक परिषद अध्यक्ष विजेंद्र सिंह सिसोदिया ने किया। पुस्तक में मप्र की प्रथम विधानसभा की पहली बैठक की 70वीं वर्षगांठ पर विशेष सत्र का आयोजन, नारी शक्ति वंदन पर विशेष सत्र, मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ के युवा विधायकों का सम्मेलन, विधानसभा सचिवालय के वेल ऑफ द हाउस अधिकारियों के लिए विशेष गणवेश की व्यवस्था तथा पूर्व विधानसभा अध्यक्षों और पूर्व मुख्यमंत्रियों की जयंती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम की शुरुआत प्रमुख हैं।

पुस्तक में सदन की कार्यप्रणाली से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों का भी उल्लेख किया गया है। इनमें 'सत्र समाप्त तो प्रश्न नहीं समाप्त' की व्यवस्था, पहली बार निर्वाचित विधायकों को अधिक अवसर देना तथा प्रत्येक मंगलवार को केवल महिला और प्रथम बार निर्वाचित सदस्यों के प्रश्न लेने जैसी पहलें शामिल हैं। समारोह में लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, विधायक अरुण भीमावद, विधानसभा के प्रमुख सचिव अरविंद शर्मा उपस्थित रहे।

फर्जी बीएड कॉलेजों को सशर्त अनुमति से बढ़ी हलचल, केंद्रीय सख्ती के दबाव में बदला फैसला, एमबीए प्रवेश प्रक्रिया को बड़ा झटका

BU की सूची नहीं पहुंची, डीटीई ने 71 MBA कॉलेजों को किया प्रवेश प्रक्रिया से बाहर, 19,260 सीटों पर असर

भोपाल (नगर संवाददाता)

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय प्रबंधन और कार्यपरिषद के बदलते फैसलों का खामियाजा आखिरकार मंगलवार को एमबीए प्रवेश प्रक्रिया पर देखा गया। विश्वविद्यालय से संबद्ध 71 एमबीए कॉलेजों को तकनीकी शिक्षा संचालनालय ने प्रथम चरण की काउंसिलिंग प्रक्रिया के तहत आवंटन से बाहर कर दिया। अधिकृत निरंतरता व संबद्धता सूची नहीं मिलने से इन कॉलेजों की 19,260 सीटों पर फिलहाल प्रवेश नहीं हो सकेंगे। इसका असर केवल निजी कॉलेजों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि शासकीय उत्कृष्ट संस्थान भी काउंसिलिंग से बाहर हो गया।

साथ ही अनुदान प्राप्त एसएटीआई विदिशा और जेएलएन कॉलेज सोहागपुर के एमबीए प्रवेश भी फिलहाल बाधित हो गए। केवल विश्वविद्यालय परिसर में संचालित सीआरआईएम की 75 सीटों पर ही प्रवेश की अनुमति दी गई। पहले चरण में सीमैट मेरिट के आधार पर 135 संस्थानों की 26,742 सीटों के लिए हुई काउंसलिंग में 634 अभ्यर्थियों ने विकल्प भरे, जबकि पहले दिन 609 सीटों का आवंटन हुआ। सूत्रों के अनुसार, बीएड कॉलेजों में हुई गड़बड़ियों का मामला प्रधानमंत्री कार्यालय तक पहुंचने और एनसीटीई के निरीक्षण में गंभीर कमियां सामने आने के बाद बीयू प्रबंधन और कार्यपरिषद के सदस्य पूरी तरह बैकफुट पर हैं।

इसी दबाव के चलते एमबीए कॉलेजों को हलफनामे लेकर प्रवेश की अनुमति का फैसला मात्र पांच दिन बाद अचानक बदल लिया गया।

प्रदेश में एमबीए प्रवेश का गणित

विश्वविद्यालय	कॉलेज	सीटें
बीयू, सीआरआईएम	1	75
डीएविवि, इंदौर	54	12,951
विक्रम विवि , उज्जैन	19	3,525
रानी दुर्गावती विवि, जबलपुर	18	3,322
जीवाजी विवि, ग्वालियर	15	2,797
अन्य 10 विवि मिलाकर	28	8,072
कुल	135	26,742

बीयू की स्थिति

काउंसलिंग से बाहर : 71 कॉलेज, **प्रभावित सीटें**: 19,260, **प्रवेश की अनुमति** : केवल सीआरआईएम (75 सीटें)

कार्यपरिषद ने विगत 9 जुलाई को बिना निरीक्षण संबद्धता देने से इनकार किया, 10 जुलाई को डीटीई को पहली बार राज्यस्तरीय सीट आवंटन टालना पड़ा। इसके बाद 15 जुलाई को कार्यपरिषद ने अपने ही फैसले से पलटते हुए शपथ-पत्र के आधार पर सशर्त अनुमति का फैसला लिया, लेकिन 17-18 जुलाई को एनसीटीई की जांच के बाद हालात बदल गए और 21 जुलाई को विश्वविद्यालय ने अधिकृत सूची ही डीटीई को नहीं भेजी। नतीजतन प्रथम चरण की काउंसलिंग से बीयू से संबद्ध 71 कालेज बाहर हो गए। सूत्रों के अनुसार, सोमवार को कुलगुरु प्रो. विवेक शर्मा, कुलसचिव प्रो. समर बहादुर सिंह और कुछ बाहरी सदस्यों की मौजूदगी में अनौपचारिक बैठक हुई, जिसमें बिना निरीक्षण किसी भी एमबीए कॉलेज की सूची डीटीई को नहीं भेजने पर सहमति बनी। कार्यपरिषद सदस्यों का कहना है कि न तो बैठक का कोई औपचारिक एजेंडा जारी किया गया और न ही उन्हें आमंत्रित किया गया। विशेषज्ञों का कहना है कि 15 जुलाई को पारित निर्णय में बदलाव केवल कार्यपरिषद की औपचारिक बैठक में ही किया जा सकता था। ऐसे में अनौपचारिक बैठक के आधार पर बदले गए फैसले ने कार्यप्रणाली और निर्णय प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक विश्वविद्यालय: तीन कोर्स: तीन अलग पैमाने?

- **बीएड** : जून में कार्यपरिषद ने कई बार नानुकुर की, लेकिन बाद में सभी 125 बीएड कॉलेजों को केवल हलफनामे के आधार पर सशर्त प्रवेश की अनुमति दे दी। विवादित कॉलेजों का मामला सुर्खियों में रहा। जिसके बाद एनसीटीई के निरीक्षण में कई कॉलेजों में गंभीर कमियां सामने आने के बाद यही फैसला सवालों के घेरे में आ गया।
- **बीबीए-बीसीए** : 22 जून को कार्यपरिषद के अनुमोदन के बिना कुलसचिव प्रो. समर बहादुर सिंह ने 91 बीबीए-बीसीए कॉलेजों की प्राविधक सूची सीधे डीटीई को भेज दी। कुलगुरु को इसकी भनक तक नहीं थी। इसी सूची के आधार पर 26 जून से प्रवेश शुरू हो गए। वर्तमान में बीयू से संबद्ध बीबीए के 76 कॉलेजों (8,970 सीटें, 1,494 प्रवेश) और बीसीए के 55 कॉलेजों (5,345 सीटें, 882 प्रवेश) में प्रवेश जारी हैं।
- **एमबीए** : विशेषज्ञों का कहना है कि बीए-बीसीए संचालित करने वाले अधिकांश संस्थान ही एमबीए भी संचालित करते हैं, लेकिन बीबीए को बिना प्रक्रिया के सीधे प्रवेश, जबकि केवल एमबीए कालेजों में निरीक्षण के आधार पर फैसला। सवाल उठ रहे हैं कि एक ही विश्वविद्यालय में बीएड के लिए हलफनामा, बीबीए-बीसीए में बैकडोर एंट्री और एमबीए में कड़ी वैधानिक शर्तें आखिर तीनों पाठ्यक्रमों के लिए तीन अलग-अलग मापदंड क्यों अपनाए गए?

प्रदेश के 12 लाख कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए कैशलेस बीमा योजना अब भी अधर में

प्रतिपूर्ति राशि को लेकर फंसा पेंच, 2019 से प्रस्तावित योजना

भोपाल (नगर संवाददाता)

प्रदेश के लगभग 12 लाख अधिकारियों-कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए वर्ष 2019 से प्रस्तावित कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना अभी भी अधर में है। नई उलझन आपातकालीन चिकित्सा प्रतिपूर्ति को लेकर है। दरअसल अभी प्रस्ताव था कि आपातकालीन स्थिति में पांच लाख रुपए तक का उपचार गैर-अनुबंधित अस्पताल में कराया जा सकेगा, जिसकी बाद में योजना के अंतर्गत प्रतिपूर्ति कर दी जाएगी। लेकिन प्रस्तावित योजना को लेकर हाल ही में हुई बैठक में विभाग के अधिकारी इसे लेकर एक राय नहीं थे। कुछ का कहना है कि प्रतिपूर्ति की सीमा डेढ़ से दो लाख रुपए तक ही रखनी चाहिए। कर्मचारी की हालत में स्टेबल होने पर उसे अनुबंधित अस्पताल में रेफर किया जाए। इस दृष्टि से दो लाख रुपए पर्याप्त हैं। इसका दुरुपयोग न हो, इसलिए कुछ अधिकारी पांच लाख रुपए की राशि पर असहमत हैं।

स्टेट हेल्थ एजेंसी ने तैयार किया ड्राफ्ट

आयुष्मान भारत योजना का संचालन करने वाली स्टेट हेल्थ एजेंसी ने इसका ड्राफ्ट तैयार किया है। इसमें पेंशनरों को भी शामिल किया जा रहा है। कर्मचारी और पेंशनरों के लिए प्रीमियम की राशि अलग-अलग होगी। वहीं, निर्धारित प्रीमियम देने पर निगम, मंडल और स्थानीय निकायों के कर्मचारियों को भी योजना में सम्मिलित किया जा सकेगा।

आपातकालीन प्रतिपूर्ति पर पेचः योजना का प्रारूप स्वीकृति के लिए इसी माह कैबिनेट में प्रस्तुत करने की तैयारी थी, पर परिवार चिकित्सा प्रतिपूर्ति और पेंशनरों के परिवार की परिभाषा सहित कई विषयों को अंतिम रूप नहीं दिया जा सका। योजना में 20 लाख रुपए तक के कैशलेस उपचार की सुविधा अनुबंधित अस्पतालों में उपलब्ध कराने का प्रावधान किया जा रहा है। आपातकालीन स्थिति में कर्मचारी पास के गैर-अनुबंधित अस्पताल में उपचार कराते हैं तो उन्हें खर्च की प्रतिपूर्ति देने का भी प्रावधान है। इसकी राशि तय किए जाने का निर्णय अटका हुआ है।

नीट यूजी: 11 लाख से अधिक क्वालिफाइड, सीटें सिर्फ 1.36 लाख

देश में 8 में से एक, तो सरकारी सीट के लिए हर 17 में से केवल एक छात्र को मिलेगा मौका

भोपाल (नगर संवाददाता)

ग्वालियर-चंबल अंचल समेत देशभर के मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस की सीटों पर दाखिले की आस लगाए बैठे छात्रों और पालकों की धड़कनें तेज हो गईं हैं।

नेशनल मेडिकल कमीशन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, इस साल देश में रिकॉर्ड 11.21 लाख छात्रों ने नीट यूजी परीक्षा क्वालिफाई की है, जबकि उनके मुकाबले देशभर के कॉलेजों में एमबीबीएस की कुल सीटें सिर्फ 1,36,939 ही उपलब्ध हैं। इसका सीधा असर ग्वालियर के स्थानीय कोचिंग हबों से तैयारी करने वाले हजारों छात्रों पर भी देखने को मिलेगा। आंकड़ों का गणित साफ बता रहा है कि इस साल क्वालिफाई करने वाले हर 8 में से केवल एक छात्र का ही एमबीबीएस में एडमिशन का सपना पूरा हो सकेगा। छात्र-छात्राओं की पहली पसंद स्थानीय, राज्य व देश के सरकारी कॉलेज होते हैं, लेकिन 63,296 सरकारी सीटों के मुकाबले 11 लाख से अधिक उम्मीदवारों की संख्या को देखें तो हर 17 में से केवल एक छात्र को ही सरकारी सीट मिल सकेगी।

फैक्ट फाइल

कुल एमबीबीएस	सीटें	1,36,939
सरकारी कॉलेजों की	सीटें	63,296
प्राइवेट कॉलेजों की	सीटें	73,643
इस साल बढ़ीं नई	सीटें	9,911

चार राउंड तय करेंगे विद्यार्थियों का भविष्य

- **राउंड 1** : छात्र अपनी पसंद के कॉलेजों का विकल्प चुनेंगे। पहली अलॉटमेंट लिस्ट के साथ फ्री एक्जिट का विकल्प भी रहेगा।
- **राउंड 2** : पहले चरण के बाद रिक्त सीटों पर दाखिले होंगे और कॉलेज अपग्रेड करने की सुविधा मिलेगी।
- **मॉप-अप राउंड** : दो राउंड के बाद बची सीटों को भरने के लिए आयोजित किया जाएगा।
- **स्ट्रे वैकेंसी राउंड** : अंतिम बची हुई सीटों पर दाखिले का यह आखिरी मौका होगा।

कट ऑफ ज्यादा हाई रहने की उम्मीद

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के चिकित्सा शिक्षकों का मानना है कि इस बार तगड़े कॉम्पटीशन के चलते कट ऑफ काफी हाई रहने की उम्मीद है। ऐसे में ग्वालियर और आसपास के छात्रों को ऑल इंडिया कोटा (15 प्रतिशत) और स्टेट कोटा (85 प्रतिशत) दोनों के गणित को समझकर बेहद सतर्कता और सूझबूझ के साथ कॉलेजों की च्वॉइस फिलिंग करनी होगी, ताकि किसी अच्छे कॉलेज में दाखिला मिल सके।

-राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी गारंटी

खाद्य मंत्री बोले, सरकार की मंशा है कि कोई भूखा न सोये

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश के खाद्य मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम केवल खाद्यान्न वितरण की योजना नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय की सबसे बड़ी गारंटी है। सरकार की मंशा है कि राज्य का कोई भी पात्र हितग्राही खाद्यान्न के अधिकार से वंचित न रहे और भूखा न सोए। मंत्री राजपूत, कुशाभाऊ इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में मंगलवार को राज्य खाद्य आयोग एवं केन्द्रीय नीति आयोग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 - प्रगति, चुनौतियां और भविष्य की दिशा विषय पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के गरीब कल्याण के संकल्प और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रयास कर रहे है कि राज्य का कोई भी पात्र परिवार खाद्यान्न के अधिकार से वंचित न रहे और भूखा न सोए।

अन्य राज्यों की योजनाओं का अध्ययन करने जाएंगे अधिकारी- मंत्री राजपूत ने कहा कि अधिकारियों की एक टीम दूसरे राज्यों में भेजी जाएगी। यह टीम उन राज्यों में संचालित बेहतर योजनाओं का अध्ययन कर रिपोर्ट देगी। इस कार्यशाला में जो भी महत्वपूर्ण सुझाव आएंगे, उन पर विचार कर अमल में लाया जाएगा। मध्यप्रदेश राज्य खाद्य आयोग के सचिव श्रीमन शुक्ला ने कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रसिद्ध अर्थशास्त्री एवं नीति आयोग के पूर्व सदस्य प्रो रमेशचंद्र, म.प्र. राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष प्रो वीरेन्द्र कुमार मल्होत्रा, आयुक्त खाद्य भास्कर लक्षकार, डॉ. योगेश सूरी, नीति आयोग समेत विभिन्न राज्यों से खाद्य आयोगों के अध्यक्ष एवं सदस्य सचिव सहित, खाद्य विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

दुकान तक खाद्यान्न पहुंचते ही उपभोक्ता को मैसेज

मंत्री राजपूत ने कहा कि अब वितरण केंद्र से उचित मूल्य की दुकान तक तथा दुकान से उपभोक्ता तक राशन की प्रत्येक जानकारी पंजीकृत मोबाइल नंबर पर संदेश के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही है। सरकार का उद्देश्य केवल राशन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि प्रत्येक पात्र हितग्राही तक उसका अधिकार समय पर, पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही के साथ पहुंचाना है। इसी सोच के अनुरूप मध्यप्रदेश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली में व्यापक सुधार किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप व्यवस्था अधिक आधुनिक, पारदर्शी और जनकेंद्रित बनी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में उचित मूल्य की दुकानों को अत्याधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है। पीओएस मशीनों के माध्यम से प्रमाणीकरण, ई-केवाईसी, डिजिटल राशन वितरण, ऑनलाइन निगरानी तथा संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला की रियल टाइम मॉनिटरिंग से खाद्यान्न वितरण प्रणाली में पारदर्शिता और विश्वसनीयता दोनों बढ़ी हैं। इससे अनियमितताओं पर प्रभावी अंकुश लगा है और हितग्राहियों का विश्वास भी मजबूत हुआ है। खाद्य मंत्री ने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, जनसेवा से जुड़े संगठनों और नागरिकों से आह्वान किया कि वे प्रत्येक पात्र हितग्राही तक उसका अधिकार पहुंचाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

सूबेदार और उप निरीक्षक संवर्ग भर्ती का चिकित्सा परीक्षण 27 को

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश पुलिस में सूबेदार/उप निरीक्षक संवर्ग भर्ती वर्ष-2025 के अंतिम परीक्षा परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए दस्तावेज़ परीक्षण, चरित्र सत्यापन एवं मेडिकल परीक्षण 27 जुलाई को प्रदेश के चार नोडल केन्द्रों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर में होगी।

बता दें कि चयन मंडल, भोपाल भर्ती परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी किए जाने के उपरांत नियुक्ति संबंधी कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में सूचना, आवश्यक निर्देश एवं विस्तृत कार्यक्रम चयन मण्डल की वेबसाइट पर भी प्रकाशित किए जा चुके हैं।

चयनित अभ्यर्थियों को पुलिस उपायुक्त, नगरीय पुलिस के भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर के पुलिस अधीक्षक कार्यालय में सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित होने को कहा गया है।

स्वामी, मुद्रण, प्रकाशक एवं संपादक **आशीष दुबे** द्वारा सांई प्रिंटर्स, म. नं. 91, शाप नं. 3, जिन्सी पुलिस चौकी के पास जहांगीराबाद, भोपाल से मुद्रित एवं टी-2, बालाजी टावर, मधुवन बिहार कालोनी मिसरोद भोपाल से प्रकाशित। समस्त विवादों का न्यायालय भोपाल रहेगा।